प्रधानमंत्री के रूप में लगातार तीसरी बार देश का नेतृत्व संभालने के बाद पहली बार गुजरात के तीन दिवसीय दौरे पर आए प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने 8000 करोड़ रुपए से अधिक के विकास कार्यों का लोकार्पण और शिलान्यास किया।

जनहितैषी

हिन्दी दैनिक

जनहितैषी अब janhitaishinews.com पर भी

R.N.I. No. 64278/96 वर्ष:29 अंक:134 दिनांक:17-09-2024 मंगलवार मूल्य : 1 रूपया 50 पैसा पृष्ठ:4 वडोदरा M

कोलकाता के आरजी कर मेडिकल कॉलेज में ट्रेनी डॉक्टर के साथ दुष्कर्म मामले को लेकर सीएम ममता बनर्जी ने प्रदर्शनकारियों से बातचीत की। जूनियर डाक्टरों की मांगों के आगे झुकी ममता सरकार, कोलकाता पुलिस कमिश्नर और स्वास्थ्य शिक्षा निदेशक की होगी छुट्टी

देश के लिए जीऊंगा, लड़ूंगा और देश के लिए खप जाऊंगा : प्रधानमंत्री मोदी

अहमदाबाद (ईएमएस) प्रधानमंत्री के रूप में लगातार तीसरी बार देश का नेतृत्व संभालने के बाद पहली बार गुजरात के तीन दिवसीय दौरे पर आए प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने 8000 करोड़ रुपए से अधिक के विकास कार्यों का लोकार्पण और शिलान्यास किया। राज्यपाल आचार्य देवव्रत की गरिमामयी उपस्थिति में अहमदाबाद के जीएमडीसी मैदान में आयोजित 'विकसित भारत, विकसित गुजरात' समारोह में मुख्यमंत्री भूपेंद्र पटेल और केंद्रीय मंत्री एवं भाजपा के प्रदेश अध्यक्ष सी.आर. पाटिल विशेष अतिथि के रूप में मौजूद थे। जनसभा को संबोधित करने से पहले जब प्रधानमंत्री लोगों के बीच से गुजरे, तो उपस्थित जनसमूह उत्साह और उमंग से सराबोर हो गया। प्रधानमंत्री ने हजारों लोगों का अभिवादन स्वीकार किया। 'विकसित भारत, विकसित गुजरात' समारोह में प्रधानमंत्री ने कहा कि आज देश में चारों ओर उत्सव का माहौल है। उत्सव के इन दिनों में भारत में विकास का पर्व भी निरंतर मनाया जा रहा है। आज गुजरात में 8000 करोड़ रुपए की परियोजनाओं का शिलान्यास और लोकार्पण हुआ है, जिनमें रोड, रेल और मेट्रो जैसी अनेक परियोजनाएं शामिल हैं। प्रधानमंत्री ने आगे कहा कि आज गुजरात के हजारों परिवारों को अपने सपनों का घर मिला है। इस बात की विशेष खुशी है कि ये परिवार नवरात्रि, दशहरा, धनतेरस और दिवाली सहित सारे त्योहार उतने ही उमंग और उल्लास से अपने नए घर में मनाएंगे। गुजरात में हुई अतिवृष्टि का उल्लेख करते हुए प्रधानमंत्री ने कहा कि उत्सव के इस माहौल में पीड़ा भी है, क्योंकि गुजरात के अनेक क्षेत्रों में अतिवृष्टि की स्थिति देखने को मिली है। गुजरात में एक-दो स्थानों पर नहीं, बल्कि गुजरात के हर कोने में बारिश हुई है और कई गुना ज्यादा हुई है। अनेक लोगों ने अपने स्वजनों को खोया है और जान-माल का भी नुकसान हुआ है। ऐसी स्थिति में केंद्र और राज्य सरकार हमेशा की तरह सभी प्रकार की सहायता प्रदान कर रही है। इस अवसर पर प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने कहा कि, ''मैं प्रधानमंत्री के रूप में तीसरी बार शपथ लेने के बाद पहली बार गुजरात आया हूं। गुजरात मेरी जन्मभूमि है। गुजरात ने मुझे जीवन की हर सीख दी है और गुजरात के नागरिकों ने सदैव मुझ पर प्रेम बरसाया है। गुजरात में आकर हमेशा की तरह एक नई ऊर्जा मिली है और मेरा उत्साह और जोश भी बढ़ गया है।'' उन्होंने आगे कहा कि, 60 वर्षों के बाद देश की जनता ने नया इतिहास रचा है। इस सरकार को लगातार तीसरी बार देश की सेवा करने का अवसर दिया है। इस सरकार ने देशवासियों को गारंटी दी थी कि तीसरे कार्यकाल के पहले 100 दिनों में अभूतपूर्व निर्णय लिए जाएंगे। गत 100 दिनों में केंद्र सरकार ने दिन-रात देखे बिना देश के नागरिकों की सेवा के लिए अथक प्रयास किए हैं। गत 100 दिनों में 15 लाख करोड़ रुपए से अधिक की योजनाओं पर काम शुरू हुआ है। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने कहा कि आज नए संकल्पों के साथ काम कर रहे नए भारत की दुनिया भर में वाहवाही हो रही है। आज दुनिया भारत के साथ जुड़ने को उत्सुक है। दुनिया भारत और भारतीयों का खुले मन से स्वागत कर रही है। अनेक समस्याओं के समाधान के लिए आज भारत को याद किया जाता है। भारत तेज गति से विकास के मार्ग पर आगे बढ़ रहा है। कल्चर से लेकर एग्रीकल्चर तक, आज भारत दुनिया में धूम मचा रहा है।

प्रधानमंत्री ने कहा कि कुछ नकारात्मक लोग देश की एकता पर प्रहार करते हैं, तुष्टिकरण में रचे-पचे ऐसे लोग सत्ता की लालसा के लिए कश्मीर में अनुच्छेद 370 को बहाल करने के लिए जी-जान से लगे हुए हैं, जनता ऐसे लोगों को दृढ़ता से जवाब देगी। उन्होंने आगे कहा कि, ''मैं सरदार पटेल की भूमि में पैदा हुआ हूं, हर मजाक और अपमान को सहते हुए मैंने 100 दिन देश हित के लिए अनेक जनकल्याणकारी नीति बनाने और निर्णय लेने में बिताए हैं। भारत की शान बढ़ाने और प्रत्येक भारतीय को सम्मानपूर्वक जीवन सुलभ कराने के उद्देश्य के साथ केंद्र सरकार लगातार नई ऊर्जा और नई चेतना के साथ कार्यरत रहेगी। मैं देश के लिए जिऊंगा और देश के लिए खप जाऊंगा। मेरे लिए 140 करोड़ भारतवासियों का आशीर्वाद ही सब कुछ है।'' प्रधानमंत्री ने कहा कि चुनाव के दौरान हमने तीन करोड़ नए घर बनाने की गारंटी दी थी, उस पर काम हो रहा है। आज गुजरात में अनेक परिवारों को 'अपने घर' की सौगात मिली है। गांव और शहर की सुविधाओं के विकास पर काम हो रहा है। फैक्ट्री में काम करने वाले लोगों के लिए विशेष आवास तैयार किए जा रहे हैं। इतना ही नहीं, कामकाजी महिलाओं के लिए नए हॉस्टल भी तैयार किए जा रहे हैं। इस संदर्भ में उन्होंने कहा कि कुछ दिनों पहले ही गरीब और मध्यम वर्ग के लोगों के लिए स्वास्थ्य को लेकर एक बड़ा निर्णय लिया गया है। 70 या उससे अधिक उम्र के सभी लोगों को पांच लाख रुपए तक का निःशुल्क उपचार प्रदान करने की गारंटी पूरी कर दी गई है। पिछले 100 दिनों में युवाओं के लिए नौकरी, स्वरोजगार और कौशल विकास जैसे क्षेत्रों में महत्वपूर्ण निर्णय लिए गए हैं। युवाओं के लिए 2 लाख करोड़ रुपए के पीएम पैकेज की घोषणा की गई है, जिसका फायदा 4 करोड़ से अधिक युवाओं को होगा। प्रधानमंत्री ने कहा कि आज मुद्रा लोन स्वरोजगार क्षेत्र में नई क्रांति ला रहा है। पहले 10 लाख रुपए तक का लोन दिया जाता था, जिसे बढ़ाकर अब 20 लाख रुपए कर दिया गया है। उन्होंने आगे कहा कि देश की माताओं और बहनों को केंद्र सरकार ने गारंटी दी थी कि देश में तीन करोड़ महिलाओं को लखपति दीदी बनाया जाएगा, जिसमें पिछले 1 वर्ष में 1 करोड़ लखपति दीदी बन गई हैं। इतना ही नहीं, तीसरे कार्यकाल में केवल 100 दिनों में ही 11 लाख नई लखपति दीदी बनाई गई है। देश के किसानों के विकास के लिए निरंतर प्रयासरत होने का उल्लेख करते हुए प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने कहा कि केन्द्र सरकार ने तिलहन किसानों को एपीएमसी से भी अधिक दाम देने का निर्णय किया है। साथ ही, सरकार ने विदेशी तेल के आयात पर डयूटी बढ़ाई है। सोयाबीन व सूर्यमुखी की खेती करने वाले किसानों को इसका लाभ मिलेगा। उन्होंने जोड़ा कि खाद्य तेल क्षेत्र में देश को आत्मनिर्भर बनाने के लिए भी तेजी से कार्य किए जा रहे हैं। बासमती चावल तथा प्याज निर्यात पर लगाया गया प्रतिबंध हटा लिया गया है, जिससे विदेश में भारतीय चावल एवं प्याज की मांग में वृद्धि होगी और इसका सीधा लाभ किसानों को होगा। तीसरी टर्म में पिछले 100 दिनों में केन्द्र सरकार द्वारा लिए गए महत्वपूर्ण निर्णयों तथा लागू की गई योजनाओं की चर्चा करते हुए श्री मोदी ने कहा कि रेल, रोड, पोर्ट, एयरपोर्ट, मेट्रो से जुड़े दर्जनों प्रोजेक्टों को पिछले 100 दिनों में स्वीकृति दी गई है। आज के इस कार्यक्रम में कनेक्विटी से जुड़े कई प्रोजेक्ट का लोकार्पण-शिलान्यास किया गया है। प्रधानमंत्री ने नई शुभारंभ की गई मेट्रो में गिफ्ट सिटी तक की गई अपनी यात्रा का उल्लेख करके कहा कि अहमदाबाद सहित देश के अनेक शहरों में मेट्रो का विस्तार कार्य तेजी से आगे बढ़ रहा है। गुजरात के लिए आज का दिन विशेष इसलिए भी है, क्योंकि आज अहमदाबाद तथा भुज के बीच नमो भारत रैपिड रेल की शुरुआत हो रही है। रोजाना आवागमन करने वाले मध्यम वर्गीय नागरिकों को इसका लाभ मिलेगा। उन्होंने कहा कि आने वाले समय में देश के अन्य शहर भी नमो भारत रैपिड रेल से कनेक्ट होंगे।

पिछले 100 दिनों में देश में वंदे भारत ट्रेनों के विकास का उल्लेख करते हुए उन्होंने कहा कि देश में वंदे भारत ट्रेन के नेटवर्क को तेजी से विकसित करने पर पिछले 100 दिनों में विशेष ध्यान दिया गया है। देश में 15 से अधिक रूटों पर नई वंदे भारत ट्रेनें शुरू की गई हैं। गत 15 सप्ताहों में हर सप्ताह एक वंदे भारत ट्रेन देश में शुरू की गई है। 125 से अधिक वंदे भारत ट्रेनें देश में हजारों लोगों को बेहतर यात्रा का अनुभव कराएंगी। उन्होंने कहा कि हाल में भारत का गोल्डन पीरियड यानी अमृत काल चल रहा है। आगामी 25 वर्षों में देश को विकसित भारत बनाने का संकल्प साकार करने में गुजरात की बड़ी भूमिका रहने वाली है। गुजरात भारत के सर्वाधिक वेल कनेक्टेड राज्यों में एक है। गुजरात मैन्युफैक्चरिंग सेक्टर का हब बनने जा रहा है। हमें यह विचारधारा बदलनी है, ''जो वस्तु एक्सपोर्ट क्वॉलिटी की नहीं है, उसकी क्वॉलिटी खराब ही होती है।''

कई बड़े फैसले होने के बाद भी सौ दिन होने पर विपक्ष के निशाने पर आई केंद्र की मोदी सरकार

नई दिल्ली(ईएमएस)। लोकसभा चुनाव के परिणाम आने से पहले ही पीएम नरेंद्र मोदी ने अधिकारियों के संग बैठक कर कई प्रोजेक्ट और विकास कार्यों को लेकर चर्चा की थी। योजनाबध्द तरीके से काम हो इसके लिए सौ दिन का रोडमैप भी तैयार किया गया था। अब 17 सितंबर यानी पीएम मोदी के जन्मदिन पर सरकार के सौ दिन पूरे हो रहे हैं। इस मौके पर कांग्रेस अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खरगे ने सरकार से सौ दिन का हिसाब मांगा है। खरगे ने कहा कि जम्मू-कश्मीर में आतंकी हमलों पर लगाम नहीं लगाई जा सकी है। इसके अलावा मणिपुर 16 महीने से जल रहा है और प्रधानमंत्री मोदी वहां मुड़कर कभी नहीं गए। उन्होंने हिंडनबर्ग की रिपोर्ट में सेबी चेयरपर्सन पर लगे भ्रष्टाचारों के आरोप को भी मोदी सरकार की विफलता बताया है। इसके अलावा पेपर लीक और महाराष्ट्र में छत्रपति शिवाजी महाराज की प्रतिमा के गिरने पर भी सरकार को घेरने की कोशिश की। खरगे ने कहा कि विपक्षी पार्टियों के चलते वक्फ बिल को जेपीसी के हवाले करना पड़ गया और लैटरल एंट्री पर सरकार को यूटर्न लेना पड़ा।

वहीं दूसरी तरफ 100 दिनों पर गौर करें तो मोदी सरकार ने किसानों को केंद्र में रखा है। इसके अलावा रोजगार वृद्धि के लिए इन्फ्रास्ट्रक्चर को बूस्ट करने की कोशिश की है। लोकसभा चुनाव के दौरान रोजगार को विपक्ष ने बड़ा मुद्दा बनाया था। वहीं मोदी सरकार ने रोजगार में वृद्धि के लिए इन्फ्रास्ट्रक्चर योजनाओं को अहमियत दी है। कौशल विकास मिशन को ध्यान में रखते हुए 4.1 करोड़ युवाओं के कौशल सुधार और रोजगार सृजन के लिए दो लाख करोड़ रुपये का पैकेज बजट में गोषित किया गया है। सरकार ने घोषणा की है कि 1 करोड़ युवाओं 500 कंपनियों में इंटर्नशिप का लाभ मिललेगा।सरकार महिलाओं की आय बढ़ाने को भी अपनी बड़ी सफलता बताती है। दावा है कि 100 दिनों में 11 लाख लखपति दीदी बनी हैं। ये ऐसी महिलाएं हैं जो कि साल में 1 लाख से ज्यादा कमा सकती हैं। सरकार से जब रोजगार को लेकर सवाल किया जाता है तो वह इस सफलता का भी जिक्र करती है।सरकार में शामिल लोगों का कहना है कि 100 दिनों में मोदी सरकार ने 15 लाख करोड़ के प्रोजेक्ट्स को मंजूरी दी है। उनका कहना है कि ऐसा पहली बार ऐसा हुआ है कि प्रोजेक्ट लॉन्च होने के साथ ही उद्घाटन की तारीख का भी ऐलान कर दिया गया। इन प्रोजेक्ट की लॉन्चिंग रोजगार के लिए भी अहम है। उन्होंने कहा, रोजगार से मतलब केवल सरकारी नौकरी नहीं है। कई दीर्घकालिक प्रोजेक्ट भी रोजगार के लिए लॉन्च किए गए हैं। एनडीए सरकार ने 100 दिनों के कार्यकाल के दौरान 3 लाख के ऐसे प्रोजेक्ट को मंजूरी दी है जिसमें 25000 गांवों को सड़क नेटवर्क से जोड़ना और वाधवान में मेगा पोर्ट बनाना शामिल है।

पहले 100 दिनों में देश में 75 हजार मेडिकल सीटों की बढ़ोतरी को भी सरकार की बड़ी सफलता माना जा रहा है। सरकार ने आपदा प्रबंधन के लिए आपदा प्रबंधन (संशोधन) विधेयक2024 भी पेश किया। राज्यों में बाढ़ से निपटने के लिए 12554 करोड़ रुपये को मंजूरी दी गई। मोदी सरकार ने 70 साल से अधिक आयु के सभी नागरिकों को हर साल 5 लाख रुपये तक का मेडिकल कवर देने का ऐलान किया है।

हरियाणा और जम्मू-कश्मीर में विधानसभा चुनाव का ऐलान हो चुका है। इसके अलावा महाराष्ट्र, झारखंड और दिल्ली में भी चुनाव होने हैं। इसे देखते हुए भी मोदी सरकार के 100 दिन बेहद अहम हैं। तीसरी बार प्रधानमंत्री पद की शपथ लेने के बाद सबसे पहले मोदी सरकार ने पीएम किसान निधि की 17वीं किस्त जारी कर दी थी। इसके तहत करीब 9.3 करोड़ किसानों को 20 हजार करोड़ रुपये दिए गए। इसके अलावा एमएसपी वृद्धि को भी कृषि क्षेत्र के लिए अहम फैसला माना जा सकता है। कई फसलों पर 100 से लेकर 550 रुपये तक की एमएसपी वृद्धि का फैसला किया गया। इसके अलावा सोयाबीन और सूरजमुखी के तेल की इंपोर्ट ड्यूटी बढ़ा दी गई है जिसका लाभ भी किसानों को मिल सकता है।

समाज के पितृ सत्तात्मक रवैये को बदलने के लिए मानसिकता को बदलने की जरूरत - सीजेआई

नई दिल्ली (ईएमएस)। देश के प्रधानन्यायाधीश डीवाई चंद्रचूड़ ने कहाहैकिअकेलेसख्तकानून से महिला ओंकेलिए न्यायपूर्ण व्यवस्था नहीं बनाई जा सकती। समाज के पितृ सत्तात्मक रवैये को बदलने के लिए मानसिकता काबदलनेकीजरूरतहै।सीजेआई चंद्रचूड़ ने कहा कि हमें संस्थागत और व्यक्तिगत क्षमता को बढ़ावा देना चाहिए।

एक कार्यक्रम में मुख्य न्यायाधीश ने कहाकि हमें अपनी मानसिकता को महिलाओंके लिए रियायतें देने से हटकर स्वतंत्रता और समानता के आधार पर जीवनजीनेकेउनकेअधिकारको पहचानने की ओर बढ़ना चाहिए। हमें महिलाओं की स्वतंत्रता और विकल्पों का उल्लंघन करने वाले सुरक्षात्मक कानूनों के खिलाफ उनकी रक्षा करनी चाहिए।

उन्होंने कहा कि महिलाओं के अधिकारों के बारे में बात करना महिलाओं की बात नहीं है। जीवन के कुछ महान सबक मैंने अपनी महिला सहकर्मियों से सीखे हैं। मेरा मानना है कि बेहतर समाज के लिए महिलाओं की समान भागीदारी महत्वपूर्ण है। भारत के संविधान को अपनाने से पहले भारतीय महिला जीवन चार्टर का मसौदा हंसा मेहता ने तैयार किया था। वह नारीवादी थीं।

एनपीएस वात्सल्य स्कीम 18 सितंबर को लॉन्च होगी

बजट में इस स्कीम का ऐलान हुआ था, माता-पिता बच्चों की ओर से इसमें निवेश कर सकेंगे

नई दिल्ली (ईएमएस)। केंद्रीय वित्तमंत्री निर्मला सीतारमण 18 सितंबर को दिल्ली में नेशनल पेंशन स्कीम वात्सल्य लॉन्च करेंगी। वित्तमंत्री निर्मला सीतारमण ने बजट 2024 पेश करते हुए इस स्कीम का ऐलान किया था। एनपीएस वात्सल्य को बच्चों के बड़े होने पर उनकी फाइनेंशियल सिक्योरिटी एन्श्योर करने में मदद करने के लिए डिजाइन किया गया है। इस स्कीम में माता-पिता बच्चों की ओर से निवेश कर सकते हैं। बालिग होने पर अकाउंट रेगुलर एनपीएस में बदल जाएगा।

बच्चे के 18 साल के होने पर एनपीएस वात्सल्य को नॉन-एनपीएस स्कीम में भी बदला जा सकता है। रेगुलर एनपीएस स्कीम रिटायरमेंट फंड बनाने में मदद करती है। ज्यादा रिटर्न के लिए एनपीएस कॉन्ट्रीब्यूशन को स्टॉक और बॉन्ड जैसे बाजार से जुड़े इंस्ट्रूमेंट में इन्वेस्ट किया जाता है।

10,000 की एसआईपी में 63 लाख का फंड बनेगा

सभी माता-पिता और गार्जियन, चाहे भारतीय नागरिक हों, एनआरआई या ओसीआई, अपने नाबालिग बच्चों के लिए एनपीएस वात्सल्य अकाउंट खोलन सकते हैं। मान लीजिए कि आपका बच्चा 3 साल का है। इस स्कीम में अगर आप 10,000 रुपए की एनपीएस करते हैं तो बच्चे के 18 साल का होने पर करीब 63 लाख रुपए का फंड जमा हो सकता है।

विनोद उपाध्याय / 16 सितम्बर, 2024

जम्मू-कश्मीर में विधानसभा चुनाव के पहले चरण के लिए प्रचार अभियान समाप्त

श्रीनगर (ईएमएस)। केन्द्र शासित प्रदेश जम्मू-कश्मीर में विधानसभा चुनाव के पहले चरण के लिए प्रचार अभियान सोमवार शाम को समाप्त हो गया। राजनीतिक दलों ने मतदाताओं को अपने पक्ष में करने के लिए अंतिम प्रयास शुरू कर दिए हैं।

प्रथम चरण में राज्य की 90 विधानसभा सीटों में से 24 पर 18 सितंबर को मतदान होगा। जम्मू-कश्मीर में पांच अगस्त, 2019 को नरेन्द्र मोदी सरकार द्वारा अनुच्छेद 370 को निरस्त करने के बाद पहला चुनाव होगा। यह चुनाव एक दशक बाद हो रहा है।

पहले चरण में जम्मू-कश्मीर के आठ जिलों में 24 विधानसभा क्षेत्रों के लिए 219 उम्मीदवार मैदान में हैं। इस चरण में 5,66,000 युवाओं सहित लगभग 23,27,000 मतदाता अपने मताधिकार का प्रयोग करेंगे। कश्मीर क्षेत्र में, पंपोर, त्राल, पुल वामा ,राज पोरा, जैन ापोरा, शोपियां, डी.एच.पोरा, कुल ागाम ,देवसर,डूरू, कोकर नाग एसटी), अनंतनाग पश्चिम, अनंतनाग ,श्रीगुफ वारा-बिजबेहरा, शांगस-अनंतनाग पूर्व और पहलगाम सहित 16 निर्वाचनक्षेत्रों में बुधवार को मतदान होगा। जम्मू क्षेत्र में इंदरवाल, किश्तवाड़, पद्दर-नागसेनी,भद्रवाह,डोडा,डोडा पश्चिम, रामबन और बनिहाल में मतदान होगा।

भारतीयों को भी ऑस्ट्रेलिया में छुट्टी के दौरान काम करने के लिए वीजा मिलेगा

नई दिल्ली (ईएमएस)। अब भारतीयों को भी ऑस्ट्रेलिया में छुट्टी के दौरान काम करने के लिए वीजा मिलेगा। ऑस्ट्रेलियाई गृह मंत्रालय ने वीजा नियमों में महत्वपूर्ण बदलावों की घोषणा की है, जिसके तहत भारत को सबक्लास 462 (वर्क एंड हॉलीडे) वीजा कार्यक्रम में शामिल किया गया है। इस बदलाव का मकसद युवा भारतीयों के लिए ऑस्ट्रेलिया में मौके बढ़ाना और ऑस्ट्रेलिया व प्रमुख साझेदार देशों, जैसे भारत, चीन और वियतनाम के बीच सांस्कृतिक और शैक्षिक संबंधों को मजबूत करना है।

हाल ही में माइग्रेशन ऐक्ट में जोड़े गए एक संशोधन के तहत भारत को आधिकारिक रूप से वर्क एंड हॉलीडे वीजा कार्यक्रम में शामिल कर लिया गया है। 16 सितंबर 2024 से भारत के पासपोर्ट धारक नागरिक इस वीजा के लिए आवेदन कर सकेंगे। यह वीजा 18 से 30 साल के युवाओं को ऑस्ट्रेलिया में काम करते हुए घूमने और अपने खर्चों को पूरा करने का मौका देगा।

चमन प्रीत, मेलबर्न स्थित माइग्रेशन एंड एजुकेशन एक्सपर्ट्स की निदेशक हैं। यह कंपनी आप्रवासन और नागरिकता संबंधी सेवाएं देती है। वर्क एंड हॉलीडे वीजा कार्यक्रम में ताजा बदलाव पर वह कहती हैं कि भारत को इस कार्यक्रम में शामिल करके ऑस्ट्रेलिया अपने सबसे महत्वपूर्ण अंतरराष्ट्रीय साझेदारों में से एक के साथ द्विपक्षीय संबंधों को और मजबूत कर रहा है।

ऑस्ट्रेलिया का बैकपैकर्स वीजा अब तक बेल्जियम, कनाडा, साइप्रस, डेनमार्क, एस्टोनिया, फिनलैंड, फ्रांस, जर्मनी, हांगकांग, आयरलैंड, इटली, जापान, दक्षिण कोरिया, माल्टा, नीदरलैंड्स, नॉर्वे, स्वीडन, ताइवान और युनाइटेड किंग्डम, यानी सिर्फ 19 देशों के लोगों को मिल सकता था। इनमें से अधिकतर यूरोप के थे।

पॉलीग्राफ टेस्ट में गुमराह करने वाले जवाब दे रहे संदीप घोष

आरजी हत्याकांड को लेकर सीबीआई का बड़ा दावा

कोलकाता (ईएमएस)। पश्चिम बंगाल में प्रशिक्षु महिला डॉक्टर की दुष्कर्म के बाद हत्या के मामले को एक महीने से अधिक समय हो गया है। पूरे देश में विरोध-प्रदर्शन हो रहे हैं। इस मामले में लगातार नए-नए चौंकाने वाले पहलू सामने आ रहे हैं। अब केंद्रीय जांच ब्यूरो (सीबीआई) ने एक हैरान करने वाला दावा किया है। जांच एजेंसी का कहना है कि आरजी कर मेडिकल कॉलेज के पूर्व प्रिंसिपल डॉ. संदीप घोष ने पॉलीग्राफ टेस्ट में हर अहम सवाल का भ्रामक जवाब दिया। उन्होंने आवाज के विश्लेषण के दौरान भी जांच एजेंसी को गुमराह करने की कोशिश की।

वित्तीय अनियमितताओं के मामले में पहले ही गिरफ्तार किए गए डॉ. घोष पर अब सबूतों से छेड़छाड़ का भी आरोप लगाया गया है। अस्पताल में महिला रेजीडेंट डॉक्टर के दुष्कर्म और हत्या की घटना ने देश को हिलाकर रख दिया है। सियालदह की एक अदालत ने संदीप घोष को 17 सितंबर तक सीबीआई की हिरासत में भेजा है। वहीं, सीबीआई ने अभिजीत मंडल को भी सबूतों से छेड़छाड़ करने के आरोप में गिरफ्तार किया है। जांच के दौरान पूर्व प्रिंसिपल डॉ. संदीप घोष का पॉलीग्राफ टेस्ट और आवाज विश्लेषण किया गया। घटनाक्रम की जानकारी रखने वाले अधिकारियों ने बताया कि नई दिल्ली स्थित केंद्रीय फोरेंसिक विज्ञान प्रयोगशाला (सीएफएसएल) की एक रिपोर्ट के मुताबिक उनका बयान इस मामले से जुड़े कुछ महत्वपूर्ण मुद्दों पर भ्रामक पाया गया है। उन्होंने आगे कहा कि हो सकता है कि पॉलीग्राफ टेस्ट के दौरान मिली जानकारी को ट्रायल के दौरान सबूत के तौर पर इस्तेमाल नहीं किया जा सके। मगर, एजेंसी पुष्टि करने वाले सबूत इकट्ठा कर सकती है, जिनका इस्तेमाल अदालत में किया जा सकता है।

सीबीआई ने आरोप लगाया कि घोष को इस मामले की जानकारी नौ अगस्त को नौ बजकर 58 मिनट पर मिल गई थी, लेकिन उन्होंने तत्काल पुलिस में शिकायत नहीं की। घोष ने बाद में चिकित्सा अधीक्षक-उप प्रधानाचार्य के माध्यम से एक अस्पष्ट शिकायत की। जबकि पीडिता को दोपहर 12 बजकर 44 मिनट पर मृत घोषित कर दिया गया था। अधिकारी ने आगे बताया, उन्होंने तुरंत एफआईआर दर्ज कराने की कोशिश नहीं की। बल्कि आत्महत्या का एक नया सिद्धांत पेश किया। जबकि पीडिता के शरीर पर दिखाई देने वाली चोट के अनुसार यह संभव नहीं है।

आज दिल्ली के सीएम पद से इस्तीफा देंगे केजरीवाल ...11:30 बजे होगी आप विधायक दल की बैठक

नए मुख्यमंत्री के नाम पर लगेगी मुहर...अतिशी, गोपाल, सुनीता, गहलोत, भारद्वाज और राघव चड्ढा सीएम के दावेदार, कौन संभालेगा दिल्ली की सत्ता?

नई दिल्ली(ईएमएस)। दिल्ली के सीएम अरविंद केजरीवाल मंगलवार को इस्तीफा देने जा रहे हैं। इससे पहले सोमवार को मुख्यमंत्री के सरकारी आवास पर आप के पॉलिटिकल अफेयर्स कमेटी की बैठक हुई। बैठक में अरविंद केजरीवाल, मनीष ससोदिया, संजय शर्मा, दुर्गेश पाठक, अतिशी, गोपाल राय, इमरान हुसैन, राघव चड्ढा, राखी बिड़लान, पंकज गुप्ता, एनडी गुप्ता शामिल हुए। फिलहाल इस सवाल पर अब भी सस्पेंस बना हुआ है। इस बीच आम आदमी पार्टी के 6 नेता ऐसे हैं जिनके नाम पर अब चर्चा तेज हो गई है। जिन नामों की चर्चा हो रही है उनमें आतिशी, सुनीता केजरीवाल, गोपाल राय, कैलाश गहलोत, सौरभ भारद्वाज और राघव चड्ढा का नाम शामिल है।

इस बीच सौरभ भारद्वाज ने कहा कि दिल्ली के कोने-कोने में चर्चा हो रही है कि एक सीएम इस्तीफा देता है और कहता है कि दिल्ली की जनता मेरी ईमानदारी पर वोट करें। ऐसा आज तक नहीं हुआ। वो भी तब जबकि केंद्र सरकार ने सारी एजेंसी लगा रखी थी। दिल्ली के लोगों के अंदर ऐसी उत्सुकता है कि लोग चाहते हैं कि कल ही चुनाव हो और फिर अरविंद जी को सीएम बनाएं। मोटे तौर पर भाजपा को लेकर जनता में तहत नाराजगी है। सौरभ भारद्वाज ने कहा कि कई लोग कहते हैं कि सतयुग में सुना था कि राम मर्यादा के नाम पर 14 साल के लिए वनवास पर चले गए। आज केजरीवाल ने वही किया है। वो भगवान नहीं है। लेकिन सतयुग के बाद ये पहली बार हुआ है।

विधायक दल की बैठक आज

आम आदमी पार्टी के विधायक दल की बैठक मंगलवार सुबह 11:30 बजे होगी। इस बैठक में नए मुख्यमंत्री ने नाम पर मुहर लगेगी। अरविंद केजरीवाल शाम 4:30 बजे दिल्ली के उपराज्यपाल वीके सक्सेना से मिलेंगे। वह उन्हें अपना इस्तीफा सौंप सकते हैं। सूत्रों के मुताबिक अरविंद केजरीवाल इस्तीफे के साथ ही एलजी को विधायक दल के नेता का नाम और समर्थन की चिठ्ठी सौंपेंगे। बता दें कि केजरीवाल ने रविवार को ऐलान किया था कि वह दो दिन बाद दिल्ली के मुख्यमंत्री पद से इस्तीफा देकर जनता की अदालत में जाएंगे। उन्होंने कहा था कि जब तक दिल्ली की जनता उनकी ईमानदारी पर अपने वोट की मुहर नहीं लगाती वह सीएम की कुर्सी पर नहीं बैठेंगे। हरियाणा के जींद में आप नेता और राज्यसभा सांसद संदीप पाठक ने कहा कि विधायक दल की बैठक होगी, जिसमें किसी एक का चयन किया जाएगा। उन्होंने कहा कि अरविंद केजरा वाल को सत्ता से मोह नहीं है, उन्हें अपना सम्मान सबसे ज्यादा प्यारा है।

सीएम केजरीवाल के इस बड़े सियासी दांव के बाद यह भी क्लियर हो गया है कि पूर्व डिप्टी सीएम मनीष सिसोदिया और राज्यसभा सांसद संजय सिंह भी इस लिस्ट से बाहर हो गए हैं। केजरीवाल ने मंच से पहले ही साफ कर दिया है कि उनकी जगह मनीष सिसोदिया को इस पद पर नहीं बैठाया जाएगा। अरविंद केजरीवाल ने कहा कि मैं मनीष जी से बात कर रहा था, जो पीड़ा मेरे मन में है, वहीं पीड़ा मनीष जी के मन में भी है। ये दिल्ली के उपमुख्यमंत्री मंत्री का पद तभी संभालेंगे, जब दिल्ली की जनता कहेगी कि वो ईमानदार हैं। वहीं सांसद संजय सिंह पर भी दिल्ली शराब घोटाला में लिप्त होने के आरोप लगे थे। उन्हें मनी लॉन्ड्रिंग के आरोप में ईडी ने गिरफ्तार किया था। संजय सिंह को भी कोर्ट ने उन्हें जमानत पर रिहा कर दिया था लेकिन कुछ शर्तें लगाई थीं। सीधे शब्दों में समझें तो केजरीवाल, सिसोदिया और संजय सिंह शराब घोटाला केस में जेल जा चुके हैं। केजरीवाल अपने अलावा इन दोनों का फैसला जनता के ऊपर छोड़ेंगे, चाहेंगे कि आज से 6 महीने बाद जब चुनाव हों और अगर तीनों को दिल्ली की जनता का बंपर आशीर्वाद मिलता है या कहें जीतकर आते हैं तब ऐसी स्थिति में दोबारा वही पद संभाल सकें। हालांकि संजय सिंह तो राज्यसभा सांसद हैं, उन्हें सिर्फ पार्टी के प्रचार में उतरना होगा।

सीएम पद के लिए चल रहे कई नाम

अरविंद केजरीवाल के सीएम पद से इस्तीफा देने के एलान के बाद नया सीएम बनने के लिए कई आप नेताओं के नाम रेस में है। लेकिन अभी यह कहना है मुश्किल है कि आखिर दिल्ली की कमान किसके हाथ में आएगी। मनीष सिसोदिया, संजय सिंह, अरविंद केजरीवाल के अलावा भी कई चेहरे हैं जिन्हें विधायक दल की बैठक में चुना जाता है। इनमें एक नाम जो सबसे ऊपर है, वो अरविंद केजरीवाल की पत्नी सुनीता केजरीवाल का है। उनके पास हालांकि कोई विधायक का पद नहीं है और न ही कोई मंत्रालय। अगर वो सीएम बन जाती हैं, तब वह दिल्ली की तीसरी महिला सीएम होंगी। उनसे पहले शीला दीक्षित और सुषमा स्वराज भी दिल्ली की कमान संभाल चुकी हैं। सुनीता केजरीवाल के अलावा एक और महिला का नाम सबसे ऊपर आ रहा है और वो हैं आतिशी। इसमें कोई शक नहीं है कि सीएम केजरीवाल के बाद वह दूसरी सबसे पावरफुल आप नेता हैं। उनके पास इस वक्त शिक्षा विभाग, पीडब्ल्यूडी, जल विभाग, राजस्व, योजना और वित्त विभाग हैं।

पश्चिम बंगाल में दो आदिवासी महिलाओं को जादू-टोना करने के संदेह में पीट-पीटकर हत्या

कोलकाता (ईएमएस)। पश्चिम बंगाल के बीरभूम जिले के हरिसारा गांव में दो आदिवासी महिलाओं की जादू-टोना करने के संदेह में पीट-पीटकर हत्या कर दी गयी। ये घटना आदिवासी समुदाय के त्यौहार करम पूजा से ठीक एक दिन पहले शुक्रवार (13 सितंबर) को हुई। महिलाओं के शव हमले के एक दिन बाद पास की नहर से बरामद किए गए।

इस हमले से संबंधित एक वीडियो, जो हमलावरों में से एक के द्वारा बनाया गया है, में देखा जा सकता है कि महिलाओं को निर्वस्त्र कर बार-बार लाठियों से पीटा गया, जब तक कि उन्होंने दम नहीं तोड़ दिया। मृत महिलाओं की पहचान 54 वर्षीय लोदगी किस्कू और 40 वर्षीय डॉली सोरेन के रूप में की गई है। लोदगी किस्कू के परिवार ने गांव के स्थानीय नेता लक्ष्मीराम किस्कू पर उन्हें जबरन घर से ले जाने और ग्रामीणों को उन पर हमला करने के लिए उकसाने का आरोप लगाया है। दूसरी मृत महिला पड़ोसी गांव की डॉली सोरेन थीं, जो लोदगी से मिलने आई थीं, जहां वह भी उनके साथ हिंसा की शिकार बन गईं।

मुफ्ती ने किया वक्फ बोर्ड संशोधन बिल का समर्थन, रिजिजू ने कहा असली मुस्लिम

नई दिल्ली (ईएमएस)। उत्तराखंड मदरसा बोर्ड के चेयरमैन मुफ्ती शमून कासली ने वक्फ बोर्ड संशोधन बिल का समर्थन किया है।

कासली ने एक चैनल से बातचीत में कहा, वक्फ संपत्ति की बहस चल रही है। लेकिन यह समझने की जरूरत है कि देश में साढ़े 9 लाख संपत्तियां जिस समुदाय के पास हों, वह यदि दयनीय स्थिति में है तो ऐसा किसकी वजह से है। यह स्थिति इन दलालों की वजह से है। कांग्रेस ने अपने 60 साल के कार्यकाल के अंदर इन संपत्तियों को बर्बाद किया। उस दौर में जो वक्फ बोर्ड होता था, वह इसे लूट कर खाता था। अगर कब्रिस्तान हमारे हजारों बीघे के अंदर फैले हुए हैं। यदि उनमें पेड़-पौधे लगा देते तो क्या होता। हम एक जगह गए तो देखा कि हजारों गज की जगह खाली पड़ी है। मैंने वहां जाकर मुसलमानों से कहा कि इनमें पेड़ ही लगा दो तो आप लोगों की कमाई ही होगी।

मुफ्ती शमून कासमी ने कहा कि गरीब मुसलमानों का पैसा सालों तक लूटा गया। यदि आज वक्फ बोर्ड की जांच हो जाए तो पता चलेगा कि कितनी लूट कर ली गई। मैं तो कहूंगा कि उस लूटे हुए पैसे की रिकवरी की जाए। मुफ्ती कासमी के बयान को केंद्रीय अल्पसंख्यक कल्याण मंत्री किरेन रिजिजू ने भी एक्स पर शेयर किया है और उनकी बात से सहमति जताई है। वीडियो शेयर करते हुए रिजिजू ने लिखा है, इस वास्तविक मुस्लिम आवाज को सुनें। मुफ्ती शमून कासमी सत्य बयां कर रहे हैं। वह भारत में वक्फ संपत्तियों की जमीनी हकीकत बता रहे हैं।

भारत ने तूफान ''यागी'' से प्रभावित देशों के लिए 'ऑपरेशन सद्भाव' शुरू किया

नई दिल्ली (ईएमएस)। दक्षिण चीन सागर से उत्पन्न होने वाले तूफान ''यागी'' से प्रभावित म्यांमार, वियतनाम और लाओस देशों के लिए भारत ने 'ऑपरेशन सद्भाव' शुरू किया है। भारतीय नौसेना का जहाज सतपुड़ा रविवार को म्यांमार में आई विनाशकारी बाढ़ के जवाब में मानवीय सहायता और आपदा राहत अभियान शुरू करने के लिए रवाना हो गया है। विनाशकारी बाढ़ से प्रभावित लोगों को राहत सामग्री पहुंचाने के लिए वायु सेना के सी-17 विमानों ने भी रविवार को उड़ान भरी है।

तूफान यागी से प्रभावित देशों को राहत सामग्री पहुंचाने के लिए भारत ने फैसला लिया है। भारतीय नौसेना मुख्यालय ने म्यांमार के बाढ़ प्रभावित नागरिकों को तत्काल सहायता प्रदान करने के लिए राहत सामग्री के साथ पूर्वी बेड़े के जहाज आईएनएस सतपुड़ा को तैनात किया है। भारतीय नौसेना समुद्री पड़ोसियों को मुसीबत के समय सबसे पहले राहत एवं बचाव कार्य पहुंचाने के लिए जानी जाती है। इसी के मद्देनजर सूखा राशन, कपड़े और दवाइयों सहित 10 टन सहायता रविवार को भारतीय नौसेना के आईएनएस सतपुड़ा पर रवाना की गई है। भारत ने तूफान यागी के कारण आई भीषण बाढ़ के बाद कंबोडिया (वियनतियाने, लाओस) और वियतनाम (हनोई) में ऑपरेशन के लिए भारतीय वायु सेना के सी-17 विमानों को तैनात किया गया है। भारतीय वायु सेना वियतनाम के विमान 35 टन सहायता सामग्री ले जा रहे हैं, जिसमें जल शोधन सामग्री, पानी के कंटेनर, कंबल, रसोई के बर्तन, सौर लालटेन शामिल हैं। इसके अलावा लाओस के लिए 10 टन सहायता भेजी जा रही है, जिसमें जेनसेट, जल शुद्धिकरण सामग्री, स्वच्छता सामग्री, मच्छरदानी, कंबल और स्लीपिंग बैग शामिल हैं।

जन हितैषी

देश का पहला साउंडप्रूफ हाईवे, जिसका उद्घाटन बड़ी धूमधाम से 2021 में किया गया था। यह बदहाली का शिकार हो चुका है। 28 किलोमीटर लंबा हिस्सा बनाने में 960 करोड़ रुपये की लागत आई थी। सिवनी और नागपुर के बीच में इस राजमार्ग पर गड्ढे ही गड्ढे हैं। खराब स्थिति के कारण यह हाईवे देश भर की सुर्खियों में बना हुआ है। राष्ट्रीय राजमार्ग 44 का यह खंड, केंद्रीय सड़क परिवहन मंत्री नितिन गडकरी की महत्वाकांक्षी परियोजना थी। साउंड प्रूफ बनाने के लिए इस राजमार्ग में पानी की तरह पैसा बहाया गया था। वहां पर आज बड़े-बड़े गड्ढों और बातरतीब मरम्मत नहीं होने की वजह से सिंगल लाइन से गाड़ियां निकल रही हैं। इस कारण वाहन चालकों को काफी नुकसान उठाना पड़ रहा है। इस पर भी यहां से गुजरने वाले वाहनों को टोल टैक्स पूरा देना पड़ रहा है।

साउंडप्रूफ हाईवे को बनाने के लिए दोनों तरफ मेटल शीट्स लगाई गईं हैं, ताकि वाहनों के शोर से पास के नेशनल टाइगर रिज़र्व के जानवरों और पशु पक्षियों पर शोरगुल का प्रभाव न पड़े। इस हाईवे पर आवाजाही करते समय यात्रियों को न केवल आवाज़ वरन सड़कों की खराब स्थिति का सामना करना पड़ रहा है। लगभग 200 फीट लंबा हिस्सा बुरी तरह से क्षतिग्रस्त है, जिसका पूरा पुनर्निर्माण किया जा रहा है। सड़कों के बीच बड़े-बड़े गड्ढे के कारण कई दुर्घटनाऐं हो गई हैं। एक ही साइड से यातायात को चलाया जा रहा है। दोनों ओर वाहनों की कतारें लगी हुई हैं। राजमार्ग के 28 किलोमीटर के क्षेत्र में बड़े-बड़े गड्ढे हैं। जिसके कारण वाहन चालकों का चलना दूभर हो गया है। इस महत्वपूर्ण सड़क परियोजना के रखरखाव में गड़बड़ी को उजागर करती है। भारत के सबसे आधुनिक राजमार्गों में से एक इस राजमार्ग में सुरक्षा के विशेष उपाय किए गए थे। वन्य जीवों की सुरक्षा को लेकर काफी प्रयास के बाद इस राजमार्ग को बनाने की अनुमति मिली थी।

उच्च लागत वाली परियोजनाओं का दीर्घकालिक लाभ तभी मिल सकता है। जब इनका उचित रख-रखाव हो निर्माण कार्य बेहतर हो, भ्रष्टाचार ना हो। पिछले 10 साल में इंफ्रास्ट्रक्चर के नाम पर बहुत बड़े-बड़े दावे किए गए। अब एक-एक करके घपले-घोटाले बड़ी संख्या में खुलकर सामने आने लगे हैं। जिस तरह से राजमार्ग और पुल क्षतिग्रस्त हो रहे हैं। उससे वर्तमान केंद्र सरकार की बड़ी बदनामी हो रही है। विशेष रूप से राजमार्गों की गुणवत्ता और रख-रखाव को लेकर अब नितिन गडकरी के ऊपर भी निशाना साधा जा रहा है। पिछले कई वर्षों में राष्ट्रीय राजमार्ग के निर्माण में लागत से ज्यादा पैसा खर्च किया गया है। कैग की आडिट रिपोर्ट में कड़ी आपत्ति जताई गई थी। किसी तरह वह मामला दब गया था। अब एक-एक करके फिर मामले खुलने लगे हैं। राष्ट्रीय राजमार्गों पर जिस तरह से टोल टैक्स वसूला जा रहा है। उसकी भी कड़ी आलोचना होने लगी है। पहले 60 किलो मीटर से कम में कोई टोल टैक्स नहीं होता था। अब 20 से 30 किलोमीटर में कई टोल नाके देखने को मिल जाते हैं। इस समय अंधेर नगरी चौपट राजा जैसे हालात हैं। जिसको जो मन में आ रहा है, वह कर रहा है। जिस तरह से रोजाना कपड़े बदले जाते हैं। उसी तरह बार-बार केंद्र सरकार अपने नियम एवं कानून बदल देती है। सरकार को लगता है, जनता से विभिन्न माध्यमों से जो टैक्स और शुल्क वसूल किए जा रहे हैं। जनता के पास बहुत पैसा है, सरकार जो टैक्स लगाती है। जनता उसे आसानी से स्वीकार कर लेती है। अभी तक टोल नाकों को लेकर देश में कोई आंदोलन नहीं हुआ है। जिस राष्ट्रीय राजमार्ग से लागत, ब्याज और मुनाफा वसूल हो चुका है। उन पर अभी भी टैक्स वसूल किया जा रहा है। जो नियमों के विपरीत है। टैक्स वसूली के लिए फास्ट ट्रैक के बाद अब एक नया जीपीएस सिस्टम लाया जा रहा है। इसमें 24 घंटे में यदि कोई वाहन 20 किलोमीटर राजमार्ग पर चलेगा, तो उसके बाद शुरू से लेकर पूरा टोल टैक्स किलोमीटर के हिसाब से जीपीएस के माध्यम से कट जाएगा। टोल नाके के आसपास के लोगों को भी रोजाना टोल टैक्स देना पड़ जाएगा। राजमार्ग परिवहन मंत्रालय ने 1,40,000 करोड रुपए का लक्ष्य टोल टैक्स से वसूल करने का बनाया है। वह टैक्स जीपीएस के माध्यम से सरकार वसूल करेगी। जो कि वर्तमान की तुलना में लगभग तीन गुना ज्यादा होगा। सरकार आम जनता के ऊपर तरह-तरह के टैक्स और शुल्क आये दिन लगा रही है। उसका विरोध शुरू होने लगा है। सरकार को यह ध्यान रखना होगा। जनता के ऊपर इस तरह से टैक्स का बोझ ना डाला जाए, जो जनता सहन नहीं कर पाए। अन्यथा आगे चलकर स्थिति कभी भी विस्फोटक हो सकती है।

हालात पर नज़र- आज प्रजातंत्र का मुख्य आधार-स्तंभ न्यायपालिका...?

भारत की आजादी की 'हीरक जयंति' मनाने के बाद आज के हालातों को देखकर यह सहज ही महसूस होता है कि प्रजातंत्र की परिभाषा के चार अंगों से तीन अंग करीब-करीब निष्क्रीय हो चुके है और अब केवल और केवल न्यायपालकिा ही प्रजातंत्र का मुख्य आधार स्तंभ बन गया है, जिस पर देश की जनता को आज भी पूरा भरोसा है, शेष तीन स्तंभ विधायिका, कार्यपालिका और खबर पालिका अपने मूल अस्तित्व खो चुके है और समय के साथ आज की गैर प्रजातंत्री बाढ़ के साथ बहने लगे है। सिर्फ न्यायपालिका ही है जो प्रजातंत्र की हर जरूरत पूर कर रही है और उसकी मर्यादा रख रही है।

मेरी इस धारणा का ताजा उदाहरण पिछले दिनों उस समय सामने आया जब प्रधानमंत्री जी सर्वोच्च न्यायालय के मुख्य न्यायाधीश के निवास पर गणेशोत्सव के कार्यक्रम में शामिल हुए और महाराष्ट्र के प्रमुख राजनीतिक दल शिवसेना (उद्धव) ने इस परिदृष्य पर अनाप-शनाप टिप्पणियां की और उनके प्रवक्ता ने तो यहां तक कह दिया कि- ''मोदी सरकार के खिलाफ सर्वोच्च न्यायालय में उनके द्वारा दायर मामले की सुनवाई मुख्य न्यायाधीश न करें तथा उसे किसी दूसरे न्यायाधीश को सौंप दे'', क्योंकि इस परिदृष्य को देखकर उन्हें उचित न्याय की उम्मीद नही रह गई है, किंतु सर्वोच्च न्यायालय ने दूसरे दिन दिल्ली के मुख्यमंत्री अरविंद केजरीवाल की जमानती मामले में मोदी सरकार पर जो पूर्वाग्रह पूर्वक काम करने की टिप्पणियां की, उसने यह सिद्ध कर दिया कि व्यक्तिगत सम्बंध न्याय की गरिमा में बाधक नही बन सकते और भारतीय प्रजातंत्र में आज न्यायपालिका ही सर्वोपरी है, जो अपने धर्म व कर्तव्य का निर्वहन बड़ी ईमानदारी व निष्ठा के साथ कर रही है और न्यायपालिका ने ही प्रजातंत्र को देश में अब तक जीवित रखा हुआ है।

श्री अरविंद केजरीवाल की जमानत वाले प्रकरण में सर्वोच्च न्यायालय ने टिप्पणियां की वे भारतीय न्याय व्यवस्था को शिखर पर बैढ़ाने वाली है, इन टिप्पणियों में भारत की मुख्य सरकारी जांच एजेंसी सीबीआई (केन्द्रीय जांच संगठन) की कार्यप्रणाली को लेकर तीखी टिप्पणियां की गई है और सर्वोच्च न्यायालय की ये टिप्पणियां स्पष्ट करती है कि- सीबीआई निष्पक्ष नही है तथा वह पूर्णत: सरकार की मंशा के अनुरूप सरकार में विराजित राजनेताओं के राजनीतिक मकसदों की पूर्ति करती है, इस फैसले में उक्त सरकारी जांच एजेंसी सीबीआई पर अनेक सवाल खड़े किए गए है, खास करके एक न्यायाधीश की यह टिप्पणी कि- ''सीबीआई को अपने को, पिंजरें के तोते वाली छवि से मुक्त करना चाहिए।'' यह एक तथाकथित निष्पक्ष एजेंसी के लिए सबसे बड़ा आघात है। साथ ही सर्वोच्च न्यायालय का यह सवाल भी काफी महत्व रखता है कि- ''केजरीवाल को तब गिरफ्तार क्यों किया गया जब उन्हें ईडी के मामले में जमानत मिल गई थी?'' अब यदि इस सवाल के चलते आम आदमी पार्टी के नेता सीबीआई की निष्पक्षता पर सवाल उठा रहे है तो उन्हें गलत कैसे कहा जा सकता है? और सबसे बड़ी बात यह है कि यह पहली बार नही है, जब सीबीआई को सर्वोच्च न्यायालय से यह सुनना पड़ा हो कि यह सरकार प्रभाव व दबाव में काम कर रही है, इसके पहले मनमोहन सरकार के समय कोयला खदान आवंटन में घोटाले की सुनवाई करते हुए सुप्रीम कोर्ट ने सीबीआई को ''पिंजरे का तोता'' कहा था और यहां सबसे बड़ी खेद की बात यह है कि सीबीआई ने इतनी सख्त टिप्पणियों के बाद भी इस कथित छवि से बाहर आने की कौशिश भी नही की।

यह अकेला ही उदाहरण नहीं है जब न्यायपालिका ने अपने आपकी निष्पक्ष छवि को प्रदर्शित किया है, इसके पहले भी अनेक प्रकरणों में सरकार को कटघरे में खड़ा कर अपनी निष्पक्षता प्रस्तुत की है, यद्यापि यह भी एक कटु सत्य है कि मोदी सरकार ने न्यायपालिका को अपने कब्जे में रखने के अनेक असफल प्रयास किए किंतु न्यायपालिका ने अनेक दबावों के बावजूद आज तक अपनी निष्पक्ष छवि बरकरार रखी है, जिसके लिए वह बधाई की पात्र है। इसीलिए यह कहना पड़ रहा है कि प्रजातंत्र के अन्य तीन स्तंभ खोखले हो चुके है, सिर्फ न्याय स्तंभ ही है, जिस पर आज के प्रजातंत्र का महल मजबूती से खड़ा है।

महान दार्शनिक और गणितज्ञ मार्क्विस डी कोंडोरसेट

(जन्मातिथि 17सितम्बर पर विशेष)

मार्क्विस डी कोंडोरसेट(1743-1794) का जन्म 17 सितंबर, 1743 को रिबेमोंट, पिकार्डी में हुआ था मैरी-जीन-एंटोनी-निकोलस कैरिटेट, मार्क्विस डी कोंडोरसेट का जन्म 1743 में दक्षिणी फ्रांस के रिबेमोंट शहर में हुआ था। उनका जन्म ऑरेंज की रियासत के एक प्राचीन और कुलीन परिवार में हुआ था, निकोलस डी कोंडोरसेट, जिन्हें मार्क्विस डी कोंडोरसेट के नाम से भी जाना जाता है, एक फ्रांसीसी दार्शनिक, और गणितज्ञ व वैज्ञानिक थे। अपने कई समकालीनों के विपरीत, उन्होंने उदार अर्थव्यवस्था, स्वतंत्र और समान सार्वजनिक निर्देश, संविधानवाद और महिलाओं और सभी जातियों के लोगों के लिए समान अधिकारों की वकालत की1765 से 1774 तक, कोंडोरसेट ने विज्ञान पर ध्यान केंद्रित किया। 1765 में, उन्होंने गणित पर अपना पहला काम प्रकाशित किया

जिसका शीर्षक था एसाई सुर ले कैलकुल इंटीग्रल जिसे अच्छी तरह से प्राप्त किया गया, जिसने एक गणितज्ञ के रूप में उनके करियर की शुरुआत की। उन्होंने कई और शोधपत्र प्रकाशित किए, और1769 में, 26 वर्ष की आयु में, उन्हें एकेडमी रॉयल डेस साइंसेज (फ्रेंच रॉयल एकेडमी ऑफ साइंसेज) के लिए चुना गया। वे एक गणितज्ञ, एक दार्शनिक (वे डीएलम्बर्ट, वोल्टेयर और टर्गोट के मित्र थे), फ्रेंच एकेडमी ऑफ साइंसेज के स्थायी सचिव (1776 से) और फ्रांसीसी क्रांति के दौरान एक राजनीतिज्ञ थे (वे 1791 में विधान सभा के लिए चुने गए और बाद में इसके अध्यक्ष नियुक्त हुए, फिर 1792 में कन्वेंशन के सदस्य बने)। वे कई समितियों में सक्रिय थे, जिन्होंने क्रांति के दौरान कानून बनाए (विशेष रूप से सार्वजनिक शिक्षा और संवैधानिक सुधार पर) लेकिन उदारवादी गिरोंडिन समूह को कन्वेंशन से निष्कासित किए जाने पर जैकोबिन दमन का शिकार हो गए।

कोंडोरसेट की शिक्षा रिम्स के एक जेसुइट स्कूल में हुई थी और उन्होंने पेरिस विश्वविद्यालय के कॉलेज ऑफ़ नवरे में कठोर वैज्ञानिक शिक्षा प्राप्त की थी। उनका प्रारंभिक शोध कैलकुलस और संभाव्यता सिद्धांत के क्षेत्रों में था, लेकिन बाद में उन्होंने मनुष्य का सामाजिक अंकगणित बनाने के लिए मानव व्यवहार और राजनीतिक संगठनों के अध्ययन में गणित को लागू करने का प्रयास किया। उनका निबंध ैेल्र्ज्र्म्दह्र्ह्लैत्ये र्ज्र्दग्तू्ो अम्-ेग्दहे ह्ले र्ल्ट्ो न्दग× (1785) यह दिखाने का एक प्रयास था कि कैसे संभाव्यता के गणित का उपयोग राजनीतिक निर्णय लेने को अधिक तर्कसंगत और इसलिए अधिक प्रबुद्ध बनाने के लिए किया जा सकता है। कोंडोरसेट ने इस विषय पर डिडेरो के विश्वकोश (1784-89) के पूरक के लिए लेख लिखे।

जब टर्गोट नियंत्रक-जनरल बने और 1774-76 में अनाज व्यापार को मुक्त करने और फ्रांसीसी अर्थव्यवस्था को विनियमित करने का प्रयास किया, तो कोंडोरसेट ने अपना पूरा समर्थन दिया। उन्हें 1774 में टर्गोट द्वारा इंस्पेक्टर डेस मोनेईस के पद पर नियुक्त किया गया था और उन्होंने लेसेज-फेयर सुधार जैसे कि जबरन श्रम (कोर्वी) और सेग्न्यूरियल ड्यूज के उन्मूलन का बचाव करते हुए कई पर्चे लिखे। उनका वी डे एम. टर्गोट (1786) टर्गोट का एक उत्साही बचाव है और फ्रांसीसी अर्थव्यवस्था के किसी भी सुधार का विरोध करने वाले निहित स्वार्थों को दूर करने में टर्गोट की विफलता के बावजूद मुक्त बाजार नीतियों की निरंतर आवश्यकता है।

कोंडोरसेट ने फ्रांसीसी समाज के अन्य प्रबुद्ध सुधारों की भी वकालत की, जैसे कि आपराधिक न्याय प्रणाली में सुधार, प्रोटेस्टेंटों को नागरिक अधिकार प्रदान करना और दासता का उन्मूलन। अपनी पत्नी सोफी डी ग्राउची (जिनसे उन्होंने 1786 में विवाह किया) के साथ, कोंडोरसेट ने पेरिस के उदार अभिजात वर्ग के लिए एक महत्वपूर्ण सैलून चलाया, जहाँ इन मुद्दों पर चर्चा की गई, साथ ही नए अमेरिकी गणराज्य की प्रगति और राजनीतिक रूप से सुधारित फ्रांस में प्रांतीय विधानसभाओं की भविष्य की भूमिका पर भी चर्चा की गई। फ्रांसीसी क्रांति के शुरुआती चरण के दौरान कोंडोरसेट सोसाइटी ऑफ थर्टी (जिसके लिए उन्होंने उदारवादी सुधार के लिए कैहियर या मांग तैयार करने में मदद की, जिसे एस्टेट्स जनरल के समक्ष प्रस्तुत किया गया) और सोसाइटी ऑफ 1789 (जिसके सदस्यों में मार्क्विस डे लाफायेट और डयूपॉंट डी नेमोर्स शामिल थे) में अन्य उदारवादी सुधारकों के साथ शामिल हो गए। कोंडोरसेट ने बाद के समूह की पत्रिका का संपादन किया और यहीं पर उन्होंने 1790 में महिलाओं के नागरिकता के अधिकारों पर बहुत महत्वपूर्ण निबंध प्रकाशित किया। कोंडोरसेट को 1791 में विधान सभा में पेरिस का प्रतिनिधित्व करने के लिए चुनागयाथा,लेकिन राजशाही की शक्ति कोकमकरनेकेमुद्देपरउदारवादी उदार वादियों से अलग हो गए। वह उदारवादी रिपब्लिकन ब्रिसोट और थॉमस पेन के साथ राजशाही के अंत और एक गणतंत्र संविधान की शुरूआत के लिए आह्वान करने में शामिल हो गए। उन्होंने विधान सभा की सार्वजनिक शिक्षा समिति में काम किया और अप्रैल 1792 में अपनी रिपोर्ट लिखी, लेकिन जिसे उनकी मृत्यु के बाद 1795 तक अपनाया नहीं गया।

कोंडोरसेट कन्वेंशन (ऐसने का प्रतिनिधित्व करने वाले) के सदस्य भीथे, जिसने राजा पर मुकदमा चलाया और फिर उसे मार डाला। उन्होंने राजा को पदच्युत करने के लिए लेकिन उसकी फांसी के खिलाफ मतदान किया। फरवरी 1793 में कोंडोरसेट ने कन्वेंशन की संवैधानिक समिति के समक्ष एक संवैधानिक योजना प्रस्तुत की, जो गणित का उपयोग करके एक तर्कसंगत और प्रतिनिधि निर्वाचित निकाय बनाने के उनके विचार पर आधारित थी, जो सभी लोगों के हितों की सेवा करेगी और एक छोटे समूह को नियंत्रण जब्त करने से रोकेगी। उनकी संवैधानिक योजना उदार गिरोंडिन और कट्टरपंथी जैकोबिन के बीच कन्वेंशन में चल रहे सत्ता संघर्ष का शिकार हो गई। जब प्रमुख गिरोंडिन को कन्वेंशन से निष्कासित कर दिया गया, तो कोंडोरसेट ने विरोध किया और फिर गिरफ्तारी से बचने के लिए छिपना पड़ा। अगले कुछ महीनों में उन्होंने अपनी सबसे प्रसिद्ध रचना, एस्क्विसे डीउन टेबल्यू हिस्टोरिक डेस प्रोग्रेस डे लएस्प्रिट ह्यूमैन (1795) लिखी, जो सबसे पहले यह दिखाती है कि कैसे मनुष्य सदियों से तर्क, तकनीक और स्वतंत्रता के उपयोग से अपनी स्थिति में सुधार करने में सक्षम रहे हैं, और दूसरी बात यह कि कैसे निकट भविष्य में (उनके स्केच के 10वें चरण में) एक वास्तविक उदार यूटोपिया का निर्माण हो सकता है1793 के अंत में छिपने की अवधि के बाद, जिसके दौरान उन्होंने अपना सबसे प्रसिद्ध कार्य स्केच फॉर ए हिस्टोरिकल पिक्चर ऑफ़ द प्रोग्रेस ऑफ़ द ह्यूमन माइंड (जुलाई1793-मार्च 1794) लिखा, उन्हें गिरफ़्तार कर लिया गया और संदिग्ध परिस्थितियों में उनकी मृत्यु होगई।यह संभव है कि उन्होंने आत्महत्या कर ली हो या जैकोबिन्स द्वारा उनकी हत्याकरदीगई होऔर 29 मार्च, 1794 को बोर्ग-ला-रीन में उनकी मृत्यु हो गई थी।लेकिन गणित में कलन सिद्धांत में उनके योगदान व जेंडर इक्वलिटी (उन्होंने सामान्य रूप से मानवाधिकारों औरविशेषरूप से महिलाओं और अश्वेतों के अधिकारों की रक्षा की हेतु) आज भी याद किया जाता है।

अब जनता के उपहास के सौ दिन

(लेखक - राकेश अचल / ईएमएस)

'देश में मोदी सरकार-3 ने अपने कार्यकाल के सौ दिन पूरे करने के साथ ही अपनी उपलब्धियों का ढिंढोरा पीटना शुरू कर दिया है लेकिन दिल्ली में आम आदमी पार्टी की सरकार के बेल-कीपर मुख्यमंत्री अरविंद केजरीवाल के इस्तीफे की घोषणा से ये उपलब्धियों का शोर न जाने कहाँ दब गयीं । अब देश में चरों तरफ उपलब्धियों का नहीं हरियाणा और जम्मू-कश्मीर विधानसभाओं के चुनावों में हो रहे आरोप-प्रत्यारोपों का शोर ज्यादा तेज है।

बैशाखियों के सहारे 100 दिन सरकार चलने के लिए माननीय प्रधानमंत्री श्री नरेंद्र दामोदर दास मोदी के लिए बधाई बनती है। मै मोदी जो को उनकी इस कामयाबी के लिए बधाई देता हूँ ,हालाँकि मेरी बधाई उनके किसी काम की नहीं है। उन्हें तो अमेरिका के पूर्व राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रम्प की बधाई चाहिए। जो अभी तक आई नहीं है । आसपड़ोस के किसी देश से 100 दिन की सरकार के लिए बधाइयों का न आना उतना महत्वपूर्ण नहीं है जितना महत्वपूर्ण माननीय प्रधानमंत्री द्वारा झारखण्ड की जनता को झारखंड के तीन दुश्मनों के नाम गिनाना है।

जिस समय मोदी जी को अपनी सरकार की उपलब्धियां गिनाना था उस समय वे हरियाणा,जम्मू-कश्मीर और झारखण्ड में उलझे हैं और इन राज्यों में कांग्रेस,आरजेडी,झामुमो और नेशनल कांफ्रेंस तथा दीगर विरोधी दलों की कमियां गिना रहे हैं ,लेकिन मै ऐसा नहीं हूँ। मै आपको बताऊंगा कि मोदी जी की सरकार ने 100 दिन में देश के लिए क्या किया और क्या नहीं किया ? सरकार की और से दावा किया गया है कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के नेतृत्व वाली सरकार ने अपने तीसरे कार्यकाल के पहले 100 दिनों में तीन लाख करोड़ रुपये की बुनियादी ढांचा परियोजनाओं को मंजूरी दी है। सरकार ने कनेक्टिविटी को बढ़ावा देने, आर्थिक विकास और रोजगार सृजन को सुविधाजनक बनाने के लिए बुनियादी ढांचे में 15 लाख करोड़ रुपये के निवेश की योजना बनाई है. पीएम मोदी ने 2047 तक देश को विकसित राष्ट्र बनाने के लिए एक व्यापक योजना तैयार की है।

पिछले महीने के अंत में, पीएम मोदी ने महाराष्ट्र के पालघर जिले में 76,000 करोड़ रुपये की लागत वाली मेगा वधवन पोर्ट परियोजना और कई अन्य विकास परियोजनाओं की आधारशिला रखी ,क्योंकि वहां विधानसभा कि चुनाव होना हैं। इसके पूरा होने पर, इससे देश में 12 लाख नौकरियां और लगभग 1 करोड़ अप्रत्यक्ष रोजगार के अवसर पैदा होने की उम्मीद है। भगवान करे कि ऐसा हो। मोदी जी तो सब कुछ करना चाहते हैं लेकिन उनकी योजनाओं पर काम करने वाली तमाम एजेंसियां सब गुड़- गोबर कर देतीं है। वे हवाई अड्डे बनाती है तो टपकने लगते है। पुल बनातीं है तो वे बह जाते हैं। सड़कों में गड्ढे हो जाते हैं।

आपको मोदी सरकार के सौ दिन की उपलब्धियों कि साथ ही सरकार की नाकामियों कि बारे में भी जानना चाहिए। सरकार को इन सौ दिन में संसद में और संसद कि बाहर बार-बार मुंह की भी खाना पड़ी । सरकार वक्फ बोर्ड संशोधन विधेयक पारित नहीं करा पायी । सरकार को लैटरल एन्ट्री पर अपने कदम वापस लेने पड़े, सरकार मीडिया से जुड़े विधेयक पर भी पीछे हट गयी । सरकार बंगाल और दिल्ली में सरकारों को नहीं हिला सकी । सरकार मणिपुर की आग नहीं बुझा पायी। लेकिन इस सबसे क्या ? सरकार ने इन सौ दिनों में बैशाखियों पर चलना सीख लिया। मणिपुर जलता रहा लेकिन सरकार यूक्रेन को बचने निकल पड़ी । बांग्लादेश में तख्ता पलट के बाद सरकार वहां कि हन्दू अल्पसंख्यकों कि लिए सीना तानकर खड़ी नहीं हो पायी ,लेकिन सरकार ने अमेरिका में राहुल कि बयानों को लेकर मोर्चा जरूर लिया।

सौ दिन की सरकार कि मुखिया झारखण्ड में चुनाव पूर्व की रैलियों में दावा कर रही है कि झामुमो के लोग बांग्लादेशी और रोहिंग्या घुसपैठियों के साथ खड़े हैं। ये घुसपैठिए और कट्टरपंथी झामुमो को भी अपने कब्जे में लेते जा रहे हैं। इनके लोग झारखंड मुक्ति के भीतर भी घुस गए हैं। जानते हैं ऐसा क्यों हुआ? क्योंकि झामुमो में कांग्रेस का भूत घुस गया है ,लेकिन मोदी जी कि पास इस बात का कोई जबाब नहीं है कि उनकी सरकार तो बांग्लादेश की पूर्व मुख्यमंत्री शेख हसीना को ही अपना मेहमान बनाये बैठी है ,जबकि उनके खिलाफ उनके अपने देश में हत्या जैसे जघन्य आरोपों कि 58 मामले दर्ज हैं।

प्रधानमंत्री की सरकार कि सौ दिन पर विपक्ष कि सौ दिन भारी पड़ते नजर आ रहे है। प्रधानमंत्री जी की पार्टी हरियाणा में बगावत की आग से झुलस रही है । जम्मू-कश्मीर में भाजपा कि लिए मुश्किलें कम होने का नाम नहीं ले रहीं हैं। बिहार में भाजपा कि गठबंधन की सरकार हिचकोले ले रही है। महाराष्ट्र में भाजपा -शिव सेना डशिंदे गुट .को अल्पसंख्यक महिलाओं को बुर्के बांटना पड़ रहे हैं।बावजूद इसके देश की सरकार उपलब्धियों वाली सरकार है । देश के बुजुर्गो से रेल रियायतें छीनने वाली सरकार नयी वंदे भारत रेलें चलाने में व्यस्त है लेकिन उसे देश की अस्त-व्यस्त रेल सेवाओं की फ़िक्र नहीं है। बहरहाल अब देश की नजर मोदी जी के बजाय अरविंद केजरीवाल पर है । ममता बनर्जी पर है । केजरीवाल तो बेल मिलने के बाद इस्तीफा दे रहे हैं लेकिन भाजपा के राजस्थान के मुख्यमंत्री को नैतिकता के तराजू पर नहीं तौला जा रहा,जबकि वे भी उमा भारती की तरह एक अदालत में आरोपी बनाये जा चुके हैं। बहरहाल तेल देखिये और तेल की धार देखिये। एक पखवाड़े तक अपने पूर्वजों को पूजने और सियासत में उन्हें गरियाने का मौसम भी आ ही रहा है ।

आत्मा का दिव्य भाव

जो व्यक्ति दिव्य पद पर स्थित है, वह न किसी से ईर्ष्या करता है और न किसी वस्तु के लिए लालायित रहता है। जब कोई जीव इस संसार में भौतिक शरीर से युक्त होकर रहता है, तो समझना चाहिए कि वह प्रकृति के तीन गुणों में से छूट जाता है। लेकिन जब तक वह शरीर से बाहर नहीं आ जाता, तब तक उसे उदासीन रहना चाहिए। उसे भगवान की भक्ति में लग जाना चाहिए जिससे भौतिक देह से उसका ममत्व स्वतः विस्मृत हो जाए। जब मनुष्य भौतिक शरीर के प्रति सचेत रहता है तो वह केवल इन्द्रियतृप्ति के लिए कर्म करता है, लेकिन जब चेतना कृष्ण में स्थानान्तरित कर देता है, तो इन्द्रियतृप्ति स्वतः रुक जाती है। मनुष्य को इस भौतिक शरीर की आवश्यकता नहीं रह जाती है और न उसे भौतिक शरीर के आदेशों के पालन की आवश्यकता रह जाती है। शरीर के भौतिक गुण कार्य करेंगे, लेकिन आत्मा ऐसे कार्य से पृथक रहेगी। वह न तो शरीर का भोग करना चाहती है, न उससे बाहर जाना चाहती है। इस प्रकार दिव्य पद पर स्थित भक्त स्वयमेव मुक्त हो जाता है। उसे प्रकृति के गुणों के प्रभाव से मुक्त होने के लिए किसी प्रयास की कोई आवश्यकता नहीं रह जाती। भौतिक पद पर स्थित व्यक्ति शरीर को मिलने वाले तथाकथित मान-अपमान से प्रभावित होता है, लेकिन दिव्य पद पर आसीन व्यक्ति ऐसे मिथ्या मान-अपमान से प्रभावित नहीं होता। वह इसकी चिन्ता नहीं करता कि कोई व्यक्ति उसका सम्मान करता है या अपमान। वह उन बातों को स्वीकार कर लेता है, जो कृष्णभावनामृत में उसके कर्त्तव्य के अनुकूल हैं, अन्यथा उसे किसी भौतिक वस्तु की आवश्यकता नहीं रहती। वह प्रत्येक व्यक्ति को जो कृष्णभावनामृत के सम्पादन में उसकी सहायता करता है, मित्र मानता है और तथाकथित शत्रु से भी घृणा नहीं करता। वह समभाव वाला होता है और सारी वस्तुओं को समान धरातल पर देखता है, क्योंकि वह इसे भलीभांति जानता है कि उसे इस संसार से कुछ लेना-देना नहीं है।

शब्द पहेली - 8131

बाएँ से दाएँ

1. शमशीर,कृपाण-4
4. उपद्रवी,आतंकी-4
6. अनुबंध,संधि-3
8. धोखा,छल,मक्कारी-3
9. चांदी-3
11. अश्रु-2
13. नीचता-5
15. कुंजी,जिससे ताला खोलते हैं-2
16. पुराना जुकाम-3
18. प्रश्न-3
19. चांदी-3
20. जहां ताजिये दफन किए जाते हैं-4
22. बोरिया-बिस्तर-4

ऊपर से नीचे

1. झगड़ा,कहासुनी-4
2. संगीत यंत्र-2
3. बहुत बड़ा,विशाल-3
4. अपनत्व,अपनापा-5
5. अनबन,झगड़ा-4
7. कपड़े धोनेवाला-3
10. तहजीबदार-5
12. अकस्मात,सहसा-4
14. दृष्टि,निगाह-3
17. बेमिसाल,अनूठा-4
18. बलवान-3
21. उम्मीद,आशा-2

शब्द पहेली -8130 का हल

Jagrutidaur.com, Bangalore

शंटो की कप्तानी में बांग्लादेश क्रिकेट टीम भारत दौरे पर पहुंची

चेन्नई (ईएमएस)। नजमुल हुसैन शंटो की कप्तानी में बांग्लादेश क्रिकेट टीम आज भारत पहुंची। भारत दौरे में बांग्लादेश की टीम को 2 टेस्ट और 3 मैचों की टी20 सीरीज खेलनी है। पाकिस्तान के खिलाफ 2 मैचों की टेस्ट सीरीज में क्लीन स्वीप से बांग्लादेश टीम के हौसले बढ़ हुए हैं। ऐसे में उसका लक्ष्य भारतीय टीम को भी कड़ी टक्कर देना रहेगा।

शंटो ने कहा 'यह निश्चित रूप से हमारे लिए एक बहुत ही चुनौतीपूर्ण सीरीज होगी। पाक के खिलाफ एक अच्छी सीरीज होने से हमारी टीम का मनोबल बढ़ा है जिसका लाभ उसे मिलेगा। हर सीरीज एक अवसर है, हमारा लक्ष्य दोनों मैच जीतना रहेगा।' भारतीय टीम अभी विश्व टेस्ट चैंपियनशिप (डब्ल्यूटीसी) तालिका में शीर्ष पर है पर बांग्लादेश के कप्तान का मानना है कि मैच का प्रदर्शन रैंकिंग पर निर्भर नहीं होता और यह सब इस बात पर निर्भर करेगा कि उनकी टीम उन पांच दिनों के दौरान कैसा प्रदर्शन करती है.

खेल - समाचार

भारत एशियन चैंपियंस ट्रॉफी हॉकी के फाइनल में सेमीफाइनल में साउथ कोरिया को 4-1 से हराया

नई दिल्ली(ईएमएस)। भारत छठी बार एशियन हॉकी चैंपियंस ट्रॉफी के फाइनल में पहुंच गया है। सोमवार को दूसरे सेमीफाइनल मुकाबले में डिफेंडिंग चैंपियन भारत ने साउथ कोरिया को 4-1 से हरा दिया। मुकाबला चीन में हुलुनबुइर के मोकी हॉकी ट्रेनिंग बेस में खेला गया। इस टूर्नामेंट में भारत की यह लगातार छठी जीत है।

भारत के लिए सबसे ज्यादा 2 गोल कप्तान हरमनप्रीत ने किए। उनके अलावा उत्तम सिंह, जरमनप्रीत ने 1-1 गोल किया। साउथ कोरिया की तरफ से यंग जी हुन ने गोल किया। फील्ड गोल के लिए जरमनप्रीत को प्लेयर ऑफ द मैच चुना गया। भारत फाइनल में मंगलवार को मेजबान चीन से खेलेगा। यह मुकाबला भारतीय टाइमिंग के हिसाब से दोपहर 3:30 बजे से खेला जाएगा। चीन ने पाकिस्तान को पहले सेमीफाइनल के पेनल्टी शूटआउट में 2-0 से हराया।

आईसीसी के अगस्त माह के महीने के सर्व श्रेष्ठ खिलाड़ी बने दुनिथ और हर्षिता

दुबई (ईएमएस)। अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट परिषद (आईसीसी) ने श्रीलंका के दुनिथ वेलालागे और हर्षिता समरविक्रमा को अगस्त माह के महीने के सर्वश्रेष्ठ पुरुष और महिला खिलाड़ी के लिए नामांकित किया है। दुनिथ ने भारत के खिलाफ घरेलू एकदिवसीय अंतरराष्ट्रीय श्रृंखला में अच्छा प्रदर्शन किया था। जबकि हर्षिता ने आयरलैंड दौरे पर बेहतरीन प्रदर्शन किया था। ये दूसरी बार है जब दोनो ही पुरस्कार किसी एक देश के खिलाड़ियों को ही मिल रहे हैं। इससे पहले जून में भारत के जसप्रीत बुमराह और और स्मृति मंधाना को महीने का सर्वश्रेष्ठ खिलाड़ी चुना गया था। दुनिथ ने रेस में दक्षिण अफ्रीका के स्पिनर केशव महाराज और वेस्टइंडीज के तेज गेंदबाज जेडन सील्स को पीछे छोड़कर यह पुरस्कार जीता। हर्षिता ने ओर्ला प्रेंडरगास्ट और गैबी लुईस की आयरलैंड की जोड़ी को पछाड़ा। हर्षिता ने आयरलैंड में शतकीय पारी खेली थी।

दुनिथ को भारत के खिलाफ श्रीलंका के 2-0 से श्रृंखला जीतने के दौरान श्रृंखला का सर्वश्रेष्ठ खिलाड़ी चुना गया था। बाएं हाथ के इस बल्लेबाज ने नाबाद 67, 39 और दो रन की पारियां खेलने के अलावा तीसरे मैच में 27 रन देकर पांच विकेट लेने के साथ ही सीरीज में कुल सात विकेट भी लिए थे। यह पुरस्कार शुरू होने के बाद यह पांचवां अवसर है जब श्रीलंका के पुरुष क्रिकेट को यह पुरस्कार मिला है। इससे पहले एंजेलो मैथ्यूज (मई 2022), प्रबाथ जयसूर्या (जुलाई 2022), वानिंदु हसरंगा (जून 2023) और कामिंदु मेंडिस (मार्च 2024) यह पुरस्कार जीत चुके हैं। वेलालागे और हर्षिता ने कहा कि यह पुरस्कार बहुत प्रोत्साहन देने वाला है।

गंभीर के मार्गदर्शन में बांग्लादेश के खिलाफ पहली टेस्ट सीरीज के लिए भारतीय टीम तैयार

चेन्नई (ईएमएस)। भारतीय ओर बांग्लादेश के बीच पहला क्रिकेट टेस्ट मैच यहां के एमए चिदंबरम स्टेडियम में 19 सितंबर से शुरु होगा। मुख्य कोच गौतम गंभीर के मार्गदर्शन में यह भारत की पहली टेस्ट सीरीज होगी। दो टेस्ट मेचों की इस सीरीज के लिए गेंदबाजी कोच मोर्ने मोर्कल भी टीम से जुड़ गये हैं। इस सीरीज में भारतीय टीम जहां जीत की प्रबल दावेदार हैं। वहीं

दूसरी ओर पाकिस्तान को हराने के बाद बांग्लादेश का मनोबल भी बढ़ा हुआ है। उसका लक्ष्य भारत के खिलाफ अपना पहला टेस्ट मैच जीतना होगा हालांकि बांग्लादेश ने टेस्ट क्रिकेट में आज तक भारत को नहीं हराया है।

पहला टेस्ट जहां चेन्नई में वहीं दूसरा टेस्ट कानपुर के ग्रीन पार्क स्टेडियम में खेला जाएगा।

बांग्लादेश के खिलाफ पहले टेस्ट के लिए भारतीय टीमः रोहित शर्मा (कप्तान), यशस्वी जयसवाल, शुबमन गिल, विराट कोहली, केएल राहुल, सरफराज खान, ऋषभ पंत (विकेटकीपर), ध्रुव जुरेल (विकेटकीपर), आर अश्विन, आर जड़ेजा, अक्षर पटेल ,कुलदीप यादव,मो. सिराज, आकाश दीप, जसप्रित बुमरा, यश दयाल।

बांग्लादेश की पूरी टीमः नजमुल हुसैन शान्तो, महमुदुल हसन जॉय, जाकिर हसन, शादमान इस्लाम, मोमिनुल हक, मुश्फिकुर रहीम, शाकिब अल हसन, लिट्टन कुमेर दास, मेहदी हसन मिराज, तैजुल इस्लाम, नईम हसन, नाहिद राणा, हसन महमूद, तस्कीन अहमद, सैयद खालिद अहमद, जेकर अली अनिक।

श्रीलंका ने न्यूजीलैंड के खिलाफ टेस्ट सीरीज के लिए घोषित की टीम , धनंजय डी सिल्वा होंगे कप्तान

ओशादा फर्नांडो की वापसी

कोलंबो (ईएमएस)। श्रीलंकाई क्रिकेट बोर्ड ने न्यूजीलैंड के खिलाफ 18 सितंबर से होने वाली दो टेस्ट मैचों की सीरीज के लिए अपनी 16 सदस्यीय टीम घोषित कर दी है। इस टीम की कप्तानी धनंजय डी सिल्वा करेंगे। टीम में दिमुथ करुणारत्ने, एंजेलो मैथ्यूज और दिनेश चांदीमल जैसे अनुभवी खिलाड़ियों के अलावा पथुम निसांका, कामिंडू मेंडिस और सदीरा समरविक्रमा जैसे युवा शामिल हैं।

वहीं इस टीम में निशान मदुश्का को शामिल नहीं किया है। उनकी जगह ओशादा फर्नांडो को जगह दी गयी है। फर्नांडो ने अंतिम बार मार्च 2023 में खेला था। फर्नांडो को श्रीलंका ए के लिए शानदार प्रदर्शन के कारण वापसी का अवसर मिला है। इस क्रिकेटर ने इस महीने की शुरुआत में दक्षिण अफ्रीका ए के खिलाफ 122 और 80 रन बनाए। वहीं कसुन राजिथा और निसाला थारका को भी टीम में जगह नहीं मिली है। श्रीलंका ने इंग्लैंड दौरे पर गये 15 सदस्यों टीम में बनाये रखा है। ये सिरीज विश्व टेस्ट चैंपियनशिप (डब्लूयटीए) सीरीज का हिस्सा होने के कारण अहम है।

टीम इस प्रकार है :

धनंजय डी सिल्वा (कप्तान), दिमुथ करुणारत्ने, पथुम निसांका, कुसल मेंडिस, एंजेलो मैथ्यूज, दिनेश चांदीमल, कामिंडू मेंडिस, सदीरा समरविक्रमा, ओशादा फर्नांडो, असिथा फर्नांडो, विश्व फर्नांडो, लाहिरू कुमारा, प्रभात जयसूर्या, रमेश मेंडिस, जेफरी वेंडरसे, मिलन रथनायके।

रयान ने इंडियन रेसिंग फेस्टिवल में पहला मुकाबला जीता

चेन्नई (ईएमएस)। चेन्नई टर्बो राइडर्स के रेसर मोहम्मद रयान ने मद्रास इंटरनेशनल सर्किट (एमआईसी) में आयोजित इंडियन रेसिंग फेस्टिवल में पहली जीत हासिल की है। रयान ने तीसरे दौर में शानदार प्रदर्शन करते हुए ये जीत दर्ज की। रयान ने पोल पोजीशन से शुरुआत करते हुए घरेलू ट्रैक पर बेहतरीन लैप्स पूरे किए और अपनी टीम को जीत दिलायी। इससे पहले उनके साथी जॉन लैंकेस्टर ने रेस-1 में जीत हासिल की भी।

रयान ने जीत के बाद उत्साहित होकर कहा, मेरी शुरुआत अच्छी रही और मैंने पूरी रेस में अपना ध्यान बनाए रखा। हमारी टीम ने दोनों रेस जीतकर बड़े अंक हासिल किए, जिससे मैं काफी खुश हूं। फॉर्मूला 4 इंडियन चैंपियनशिप में भी रविवार को काफी रोमांचक मुकाबले हुए। इसमें तीन रेसरों ने जीत हासिल की। पहली रेस में श्राची रारह बंगाल टाइगर्स के रुहान अल्वा ने बेहतरीन शुरुआत करते हुए जीत हासिल की। वहीं दूसरी रेस में जेडन परियत बढ़त के बाद भी पिछड़ गये। दक्षिण अफ्रीकी रेसर अलीभाई से टक्कर के बाद वह नीचे खिसक गये। इस घटना के कारण परियत पर 20 सेकंड की पेनल्टी भी लगायी गयी। इस रेस में अहमदाबाद एपेक्स रेसर्स के वीर शेठ ने जीत हासिल की जबकि रुहान अल्वा दूसरे और बेंगलुरु स्पीडस्टर्स के अभय मोहन तीसरे स्थान पर रहे।

इंग्लैंड और ऑस्ट्रेलिया के बीच टी20 सीरीज 1-1 से ड्रॉ

अब गुरुवार को होगी एकदिवसीय सीरीज

साउथम्पटन (ईएमएस)। खराब मौसम और बारिश के कारण इंग्लैंड और ऑस्ट्रेलिया के बीच तीसरा टी20 क्रिकेट मैच रद्द हो गया है। इसी के साथ ही तीन मैचों की टी20 सीरीज 1-1 से बराबरी पर रही है। अब दोनो ही टीमें गुरुवार से ट्रेंट ब्रिज में एकदिवीसीय सीरीज खेलने उतरेगी। जो बटलर के फिट नहीं होने से इस सीरीज हैरी ब्रूक इंग्लैंड की कप्तानी करेंगे। वहीं ऑस्ट्रेलिया की कप्तानी मिचेल मार्श करेंगे।

5 मैचों की एकदिवसीय सीरीज 19 सिंतबर से शुरू होगी। इसका पहला एकदिवसीय 19 को, दूसरा 21 को, तीसरा 24 को, चौथा 27 को और पांचवा एकदिवसीय 29 तारीख को होगा।

इंग्लैंड टीम इस प्रकार हैः हैरी ब्रूक (कप्तान), जोफ्रा आर्चर, जैकब बेथेल, ब्रायडन कार्से, जॉर्डन कॉक्स, बेन डकेट, विल जैक्स, लियाम लिविंगस्टोन, मैथ्यू पॉट्स, आदिल रशीद, फिल साल्ट, जेमी स्मिथ, ओली स्टोन, रीस टॉपले, जॉन टर्नर।

सेंसेक्स ने 83,184 का हाई बनाया

मुंबई(ईएमएस)। शेयर बाजार ने सोमवार को ऑल टाइम हाई बनाया। कारोबार के दौरान सेंसेक्स ने 83,184 और निफ्टी ने 25,445 का स्तर छुआ। हालांकि इसके बाद इसमें थोड़ी गिरावट आई और सेंसेक्स 97 अंक की तेजी के साथ 82,988 पर बंद हुआ। वहीं निफ्टी में भी 27 अंक की तेजी रही ये 25,383 के स्तर पर बंद हुआ। एनर्जी, ऑटो, मेटल और बैंकिंग शेयर्स में ज्यादा बढ़त देखने को मिली। एनटीपीसी निफ्टी का टॉप गेनर रहा। वहीं एफएमसीजी, फाइनेंशियल और आईटी शेयर्स में गिरावट रही। बजाज फाइनेंस टॉप लूजर रहा। घरेलू शेयर बाजार सोमवार को हल्की बढ़त के साथ बंद हुआ। सप्ताह के पहले ही कारोबारी दिन बाजार में ये तेजी दुनिया भर के बाजारों से मिले अच्छे संकेतों के साथ ही खरीददारी हावी रहने से आई है। दिन भर के कारोबार के बाद तीस शेयरों वाला बीएसई सेंसेक्स करीब 98 अंक की बढ़त के साथ ही 82,988.78 के शीर्ष स्तर पर बंद हुआ। सेंसेक्स में आज 82,832.82 और 83,184.34 के बीच कारोबार हुआ।

वहीं 50 शेयरों वाला एनएसई निफ्टी 27.25 अंक तकरीबन 0.11 फीसदी ऊपर आकर 25,383.75 पर बंद हुआ। निफ्टी में आज 25,336.20 और 25,445.70 के बीच कारोबार हुआ। आज सेंसेक्स के 30 शेयरों में से 15 शेयर लाभ के साथ ही बढ़त पर बंद हुए। एनटीपीसी, जेएसडब्ल्यू स्टील, एलएंडटी, एक्सिस बैंक और आईसीआईसीआई बैंक सेंसेक्स के सबसे अधिक लाभ वाले पांच शेयर रहे। इसके अलावा, नेस्ले इंडिया, कोटक बैंक, एमएंडएम, सन फार्मा, टाटा स्टील, एचडीएफसी बैंक, इंडसइंड बैंक, इंफोसिस, पावर ग्रिड और भारती एयरटेल के शेयर भी ऊपर आये।

दूसरी ओर सेंसेक्स के 15 शेयर गिरावट पर बंद हुए। इसमें बजाज फाइनैंस, एचयूएल, बजाज फिनसर्व, अदाणी पोर्ट्स और टाइटन सेंसेक्स के सबसे अधिक नुकसान वाले शेयर रहे। इसके अलावा, अल्ट्राटेक सीमेंट, एशियन पेंट्स, एसबीआई, टेक महिंद्रा, टाटा मोटर्स, आईटीसी, मारुति, टीसीएस, एचसीएल टेक और रिलायंस के शेयर भी नीचे आये। बाजार जानकारों के अनुसार आज घरेलू बाजार में सीमित दायरे में सकारात्मक रुझान के साथ कारोबार हुआक क्योंकि निवेशक इस हफ्ते फेड के फैसले का इंतजार कर रहे हैं। अमेरिका के जॉब मार्केट में कमजोरी और नियंत्रित महंगाई से ब्याज दरों में कटौती की भी संभावना है।

इससे पहले आज सुबह वै?श्विक बाजारों से ?मिले अच्छे संकेतों की वजह से भारतीय शेयर बाजार सप्ताह के पहले कारोबारी दिन सोमवार को तेजी के साथ खुले। बीएसई सेंसेक्स शुरूआती कारोबार में 180.92 अंक चढ़कर 83,071.86 पर कारोबार कर रहा था। साथ ही निफ्टी-50 में भी बढ़त देखी गई और यह 55.1 अंक के साथ 25,411.60 पर कारोबार रहा था। बाजार में तेजी का रुझान बना हुआ है।

कनाडा में उत्तरी ब्रिटिश कोलंबिया के तट पर आए दो भूकंप

ओटावा (ईएमएस)। कनाडा के ब्रिटिश कोलंबिया प्रांत के उत्तरी तट पर रविवार को दो भूकंप आए, जिनमें से एक की तीव्रता 6.5 मापी गई। इस भूकंप के कारण जान माल का कोई नुकसान होने की फिलहाल कोई खबर नहीं मिली है। अमेरिकी भूगर्भीय सर्वेक्षण ने बताया कि पहले आए भूकंप की तीव्रता 6.5 मापी गई जो स्थानीय समयानुसार अपराह्न तीन बजकर 20 मिनट पर आया। उसने बताया कि इसका केंद्र वैंकूवर से लगभग 1,720 किलोमीटर उत्तर में स्थित हैदा ग्वाई द्वीपसमूह के पास 33 किलोमीटर की गहराई में था। प्राकृतिक संसाधन कनाडा ने बताया कि लगभग एक घंटे बाद उसी क्षेत्र में 4.5 तीव्रता का दूसरा भूकंप आया। अमेरिकी सुनामी चेतावनी केंद्र ने बताया कि इन भूकंपों के कारण सुनामी आने का कोई खतरा नहीं है और किसी प्रकार का नुकसान होने की कोई खबर नहीं मिली है।

अब्राहम समझौते के चार साल पूरे......क्या आगे भी रहेगा कायम

तेल अवीव (ईएमएस)। 15 सितंबर को अब्राहम समझौते के चार साल पूरे हो गए हैं। चार साल पहले, बहरीन और संयुक्त अरब अमीरात (यूएई) के विदेश मंत्रियों ने इजरायली प्रधानमंत्री बेंजामिन नेतन्याहू और अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप के साथ समझौते पर हस्ताक्षर किए थे। तत्कालीन राष्ट्रपति ट्रंप ने समझौते को इतिहास की दिशा बदलने और एक नए मध्य पूर्व की सुबह के रूप में पेश किया था। इस समझौते के साथ बहरीन और यूएई ने इजरायल के साथ अपने रिश्ते को सामान्य किया, और बाद में मोरक्को भी इस समझौते में शामिल हुआ।

हालांकि, समझौते के चार साल पूरे होने के बाद, इजरायल गाजा में हमास के साथ एक गंभीर संघर्ष में उलझा हुआ है। ईरान और उसके प्रॉक्सी भी इजरायल के खिलाफ लगातार हमलावर बने हुए हैं। इस संघर्ष ने अब्राहम समझौते पर दबाव डाला है, लेकिन फिर भी वर्तमान में बहरीन, यूएई, और मोरक्को के साथ इजरायल के रिश्ते बरकरार हैं।

मध्य पूर्व के जानकार बताते है कि गाजा संघर्ष ने इन देशों के साथ इजरायल के रिश्तों पर तनाव पैदा किया है, लेकिन इसके बावजूद, एक उम्मीद की किरण दिखाती है। रिपोर्ट के अनुसार, इजरायल के वरिष्ठ अधिकारियों ने युद्ध के दौरान केवल राष्ट्रपति इसाक हेर्जोग और विदेश मंत्री नील बरकत ने ही अरब देशों की यात्रा की है, जो द्विपक्षीय यात्रा नहीं थी। यूएई के सलाहकार अनवर गरगश ने हाल ही में इस स्थिति पर टिप्पणी करते हुए कहा कि यूएई ने एक रणनीतिक फैसला लिया है और यह दीर्घकालिक है। उन्होंने कहा कि रणनीतिक फैसलों के मार्ग में बहुत सारी बाधाएं आती हैं, और हम इस समय गाजा युद्ध जैसी एक बड़ी बाधा का सामना कर रहे हैं, लेकिन हम इसे पार करने वाले हैं। इसके बावजूद, अब्राहम समझौते के प्रभावी रहने की उम्मीद बनी हुई है। सभी पक्ष शांति और सहयोग को प्राथमिकता दे रहे हैं, और इस संघर्ष के बावजूद मध्य पूर्व में स्थिरता की दिशा में काम जारी है।

सोना 73,650 रुपए, चांदी फिर 90 हजार के पार

नई दिल्ली (ईएमएस)। इस सप्ताह के पहले दिन सोने-चांदी के वायदा भाव में सोमवार को तेजी देखने को मिल रही है। दोनों के वायदा भाव दो माह के उच्च स्तर पर पहुंच गए। सोने के वायदा भाव 73,650 रुपये के करीब, जबकि चांदी के वायदा भाव 90,000 रुपये के करीब कारोबार कर रहे थे। वै?श्विक बाजार में सोने-चांदी के वायदा भाव में तेजी देखने को मिल रही है। सोने के वायदा भाव की शुरुआत तेजी के साथ हुई। मल्टी कमोडिटी एक्सचेंज (एमसीएक्स) पर सोने का बेंचमार्क अक्टूबर कॉन्ट्रेक्ट 85 रुपये की तेजी के साथ 73,600 रुपये के भाव पर खुला। इस समय यह 130 रुपये की तेजी के साथ 73,645 रुपये के भाव पर कारोबार कर रहा था। चांदी के वायदा भाव की शुरुआत तेज रही। एमसीएक्स पर चांदी का बेंचमार्क दिसंबर कॉन्ट्रेक्ट 813 रुपये की तेजी के साथ 89,893 रुपये पर खुला। इस समय यह 860 रुपये की तेजी के साथ 90,040 रुपये के भाव पर कारोबार कर रहा था। वै?श्विक बाजार में सोने के वायदा भाव की शुरुआत गिरावट के साथ हुई। हालांकि बाद में इसके भाव सुधर गए। चांदी के वायदा भाव पिछले बंद भाव पर ही खुले। कॉमेक्स पर सोना 2,608 डॉलर प्रति औंस के भाव पर खुला। पिछला बंद भाव 2,610.70 डॉलर प्रति औंस था। इस समय यह 2.70 डॉलर की तेजी के साथ 2,613.40 डॉलर प्रति औंस के भाव पर कारोबार कर रहा था। कॉमेक्स पर चांदी के वायदा भाव 31.07 डॉलर के भाव पर खुले, पिछला बंद भाव 31.07 डॉलर था। इस समय यह 0.25 डॉलर की तेजी के साथ 31.32 डॉलर प्रति औंस के भाव पर कारोबार कर रहा था।

ईरान ने अंतरिक्ष में लॉन्च की मिसाइल तो भड़का अमेरिका

तेहरान (ईएमएस)। ईरान ने अपने अर्धसैनिक बल रिवॉल्यूशनरी गार्ड द्वारा निर्मित रॉकेट से एक सैटेलाइट सफलतापूर्वक लॉन्च किया। यह ईरान का दूसरा सैटेलाइट प्रक्षेपण है, जिसे लेकर पश्चिमी देशों ने चिंता जताई है कि इससे ईरान को अपने बैलिस्टिक मिसाइल कार्यक्रम को बढ़ावा देने में मदद मिल सकती है। सरकारी मीडिया के अनुसार यह प्रक्षेपण सफल रहा और उपग्रह को सफलतापूर्वक कक्षा में स्थापित कर दिया गया है। ईरानी मीडिया ने प्रक्षेपण का वीडियो जारी किया, जिसमें मोबाइल लांचर से रॉकेट को लॉन्च होते देखा जा सकता है। यह प्रक्षेपण शाहरूद शहर के बाहरी इलाके से हुआ, जो राजधानी तेहरान से लगभग 350 किलोमीटर पूर्व में स्थित है। प्रक्षेपण ऐसे समय में हुआ है, जब पश्चिम एशिया में इजराइल-हमासयुद्ध के कारण तनाव बढ़ा हुआ है। रिवॉल्यूशनरी गार्ड द्वारा इस्तेमाल किएगए कायम-100 रॉकेट से उपग्रह चमरान-1 को लॉन्च किया गया, जिसका वजन 60 किलोग्राम है। इस सैटेलाइट का प्रक्षेपण ऐसे समय में हुआ है, जब ईरान अपने यूरेनियम संवर्धन कार्यक्रम को लेकर अंतरराष्ट्रीय आलोचना का सामना कर रहा है। अमेरिकी विदेश मंत्रालय ने इस प्रक्षेपण को लेकर चिंता व्यक्त की है। उनका कहना है कि ईरान का अंतरिक्ष प्रक्षेपण कार्यक्रम लंबी दूरी की मिसाइल तकनीक को विकसित करने में मददगार साबित हो सकता है, जिससे वैश्विक सुरक्षा को खतरा हो सकता है।

डोनाल्ड ट्रंप पर हुए हमले की अलग से जांच कराएगा फ्लोरिडाःगवर्नर

वाशिंगटन,(ईएमएस)। फ्लोरिडा के गवर्नर रॉन डेसेंटिस ने कहा कि फ्लोरिडा पूर्व अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप पर कथित हत्या के प्रयास की जांच करवाएगा। इससे पहले अमेरिका सीक्रेट सर्विस एजेंटों ने फ्लोरिडा के एक गोल्फ कोर्स में डोनाल्ड ट्रम्प से 300 से 500 गज दूर एक बंदूकधारी पर गोलियां चला दीं थी। कानून प्रवर्तन ने घटना के सिलसिले में एक व्यक्ति को हिरासत में लिया है।

गवर्नर डीसेंटिस ने एक्स पर कहा कि लोग कथित हत्यारे के बारे में सच्चाई जानने के हकदार हैं और वह कैसे पूर्व राष्ट्रपति और वर्तमान रिपब्लिकन राष्ट्रपति पद के उम्मीदवार के 500 गज के दायरे में पहुंच गया। अमेरिकी कांग्रेस सदस्य मार्जोरी टेलर ग्रीन ने हत्यारे की पहचान रयान वेस्ले रॉथ के रूप में की है, हालांकि कानून प्रवर्तन द्वारा संदिग्ध की पहचान की सार्वजनिक रूप से पुष्टि नहीं की गई है। इससे पहले जुलाई में पेंसिल्वेनिया में एक अभियान रैली में ट्रम्प की हत्या का प्रयास किया गया जिसमें वह मामूली रुप से घायल हो गए थे।

असम-छत्तीसगढ़ में महंगा हुआ पेट्रोल, हरियाणा में घटे दाम

नई दिल्ली (ईएमएस)। कच्चे तेल में बड़ी गिरावट के बाद अब भाव में हल्की तेजी आई है। वै?श्विक बाजार में क्रूड की कीमत 68.97 डॉलर प्रति बैरल है, जबकि ब्रेंट क्रूड में 71.83 डॉलर प्रति बैरल के स्तर पर कारोबार हो रहा है। कच्चे तेल के कीमतों में उतार-चढ़ाव असर का पेट्रोल-डीजल की खुदरा कीमतों पर दिखता है। हालांकि, भारत में ईंधन की कीमतों में ज्यादा असर नहीं पड़ा है लेकिन कुछ राज्यों में कीमतों में घटी-बढ़ी हैं। ऑयल मार्केटिंग कंपनियों ने सोमवार को पेट्रोल-डीजल के भाव अपडेट कर दिए हैं। चेन्नई में पेट्रोल-डीजल की कीमतों में बढ़ोतरी हुई है जबकि 3 अन्य महानगर दिल्ली, मुंबई और कोलकाता में ईंधन की कीमतों में कोई बदलाव नहीं हुआ है। अरुणाचल प्रदेश, असम और छत्तीसगढ़ समेत कुछ राज्यों में ईंधन की कीमतें बढ़ी हैं। वहीं आंध्र प्रदेश, हरियाणा और कर्नाटक में पेट्रोल-डीजल के दाम कम हुए हैं। वहीं दिल्ली में पेट्रोल 94.72 रुपये और डीजल 87.62 रुपये प्रति लीटर, मुंबई में पेट्रोल 103.44 रुपये और डीजल 89.97 रुपये प्रति लीटर, चेन्नई में पेट्रोल 100.85 रुपये और डीजल 92.43 रुपये प्रति लीटर, कोलकाता में पेट्रोल 104.95 रुपये और डीजल 91.76 रुपये प्रति लीटर है।

फ्रांस बनाएगा सुपर राफेल, अमेरिकी एफ-35 को पीछे छोड़ देगा

- नया संस्करण राफेल को अंतरराष्ट्रीय बाजार में फिर से मजबूती से स्थापित करेगा

पेरिस (ईएमएस)। फ्रांस ने अपने अत्याधुनिक फाइटर जेट राफेल के नए और अधिक उन्नत संस्करण सुपर राफेल या राफेल एफ5 को विकसित करने की योजना बनाई है। इस नए संस्करण का उद्देश्य अमेरिकी एफ-35 फाइटर जेट से बेहतर प्रदर्शन करना है। फ्रांस का मानना है कि यह नया संस्करण राफेल को अंतरराष्ट्रीय बाजार में फिर से मजबूती से स्थापित करेगा। डसॉल्ट एविएशन के साथ मिलकर फ्रांस ने इस प्रोजेक्ट पर काम शुरू कर दिया है, जिसे 2030 तक पूरा ?किए जाने का प्रयास ?किया जाएगा। सुपर राफेल, उन्नत तकनीक से लैस होगा, जिसमें एनयूरों नामक विंगमैन ड्रोन के साथ एकीकृत रूप से काम करने की क्षमता होगी। यह नया जेट स्वायत्त ऑपरेशन के साथ-साथ रडार जैमिंग और आत्मरक्षा प्रणाली से भी लैस होगा, जो इसे दुश्मनों के हमलों से बचाने में मदद करेगा। फ्रांस और ब्रिटेन के सहयोग से सुपर राफेल में भविष्य की क्रूज मिसाइल और एंटी-शिप मिसाइल जैसी नई मिसाइलें भी शामिल होंगी। इसके अलावा इसमें एक उन्नत टारगेटिंग पॉड होगा, जो मौजूदा राफेल एफ3आर और एफ4 वेरिएंट में उपयोग किए जाने वाले टैलियोस और मिराज विमान में उपयोग होने वाले रीको एनजी पॉड की ताकत को जोड़कर काम करेगा। सुपर राफेल को हाइपरसोनिक परमाणु मिसाइलों को ले जाने के लिए भी डिजाइन किया जा रहा है, जो इसे एक शक्तिशाली और बहुमुखी फाइटर जेट बनाएगा। फ्रांसीसी रक्षा विशेषज्ञों के अनुसार, यह सिर्फ एक फाइटर जेट नहीं, बल्कि एक एयर कॉम्बैट सिस्टम होगा, जो भविष्य की वायु युद्ध की जरूरतों को पूरा करेगा। फ्रांस को उम्मीद है कि इस नए संस्करण के साथ, वह वैश्विक लड़ाकू विमान बाजार में फिर से प्रमुख भूमिका निभाएगा।

सरकार पर भारी पड़ रहा युवाओं के पेट पेरेंट्स का ट्रेंड, चीन में हो जाएंगे बच्चों से ज्यादा कुत्ते-बिल्ली!

बीजिंग(ईएमएस)। घटती आबादी के संकट से जूझ रहे चीन में जल्द ही बच्चों से ज्यादा जानवरों की संख्या हो जाएगी। गोल्डमैन सैश की एक रिपोर्ट के अनुसार, चीन के शहरी पालतू जानवरों की आबादी साल के अंत तक चार साल से कम उम्र के बच्चों की संख्या को पार कर जाएगी क्योंकि यहां पेट पेरेंट्स यानि बच्चे पैदा करने की जगह पालूत जानवरों को रखने का चलन बढ़ रहा है। जारी की गई रिपोर्ट में कहा गया है कि दशकों से चली आ रही एक बच्चे की नीति के बाद चीन की आबादी तेज़ी से बूढ़ी हो रही है और उसका कार्यबल सिकुड़ रहा है।

युवा जनसंख्या अनुसंधान संस्थान द्वारा किए गए एक अध्ययन में पाया गया कि चीन में एक बच्चों को पालने के मामले में सबसे महंगा देश है यहां एक बच्चे को पालने में दुनिया में सबसे अधिक खर्च होता है, जिसके बाद ऑस्ट्रेलिया और फ्रांस का नंबर आता है। चीन की सरकार 2016 में एक बच्चे की नीति को समाप्त कर दिया और बाद में 2021 में तीन बच्चों की अनुमति देने के लिए जन्म से जुड़े प्रतिबंधों में ढील दी। अब चीन जन्म दर को बढ़ाने के लिए संघर्ष कर रही है। 36 वर्षीय हैनसेन और 35 वर्षीय मोमो, बच्चे पैदा करने से परहेज़ कर रहे हैं और इसके बजाय पालतू जानवर पालना पसंद कर रहे हैं। उन्हीं की तरह और भी चीन कपल्स के बीच पालतू जानवरों को पाना एक आम चलन होता जा रहा है।

बच्चों से ज्यादा हो जाएगी पेट्स की संख्या

गोल्डमैन सैश की एक रिपोर्ट में भविष्यवाणी की गई है कि साल के अंत तक, चीन के शहरी क्षेत्रों में पालतू जानवरों की संख्या चार साल से कम उम्र के बच्चों की संख्या से ज्यादा हो जाएगी। यह बात पालतू जानवरों के भोजन की बढ़ती मांग के बाद सामने आई है। गोल्डमैन सैश का अनुमान है कि 2030 तक, शहरी चीन के पालतू जानवरों की आबादी देश भर में चार साल से कम उम्र के बच्चों की संख्या से लगभग दोगुनी हो जाएगी। यह अनुमान केवल शहरी क्षेत्रों के लिए है और यदि ग्रामीण क्षेत्रों को शामिल किया जाए तो पालतू जानवरों की कुल संख्या और भी अधिक होगी। गोल्डमैन सैश के अनुसार, चीन की युवा आबादी के बीच पालतू जानवर पालने का जबरदस्त क्रेज चलन में आया है। युवा पीढ़ी अब परिवार की वंशावली को जारी रखने के साधन के रूप में शादी और बच्चे पैदा करने को प्राथमिकता नहीं दे रहे हैं। रिपोर्ट के अनुसार, चीन में पालतू जानवरों के भोजन की मांग तेजी से बढ़ रही है, जिसकी बिक्री 2017 से 2023 तक सालाना 16 प्रतिशत बढक़र 7 अरब डॉलर तक पहुंच गई।और अगले छह वर्षों में चीन में पेट्स फूड 15 अरब डॉलर का उद्योग बन सकता है।

क्यों बढ़ रहा है पेट्स का ट्रेंड?

20 साल पहले तक चीन में पालतू जानवरों को रखना अमीरों की विलासिता माना जाता था और मिश्रित नस्ल के कुत्तों को मुख्य रूप से रक्षक जानवरों के रूप में महत्व दिया जाता था। चीन की जन्म दर में भी 2022 से 2030 तक सालाना 4.2 प्रतिशत की गिरावट आने की उम्मीद है। इसकी वजह 20-35 वर्ष की महिलाओं की घटती आबादी और युवा लोगों में बच्चे पैदा करने में देरी करने या उसे न करने की बढ़ती प्रवृत्ति को माना जा रहा है। बढ़ती महंगाई और आर्थिक अनिश्चितता कई चीनी जोड़ों को बच्चे पैदा करने से रोक रही है। सीएनएन के मुताबिक, दुनिया की दूसरी सबसे बड़ी अर्थव्यवस्था उच्च युवा बेरोजग़ारी से लेकर लंबे समय तक चलने वाले संपत्ति संकट तक की चुनौतियों का सामना कर रही है।

मोदी सरकार के फैसले से रॉकेट बने चावल से जुड़ी कंपनियों के शेयर

मुंबई (ईएमएस)। चावल से जुड़ी कंपनियों के शेयरों में सोमवार को भारी तेजी दिखाई दी और इस दौरान कोहिनूर फूड्स के शेयर 20 फीसदी चढ़ गए। बता दें कि मोदी सरकार ने बासमती चावल पर 950 डॉलर प्रति टन का न्यूनतम निर्यात मूल्य (एमईपी) हटा दिया है, जिसके चलते यह तेजी हुई।

कोहिनूर फूड्स के शेयरों में 20 फीसदी, एलटी फूड्स में 9.72 फीसदी, केआरबीएल में 7.67 फीसदी और चमन लाल सेतिया एक्सपोर्ट्स में 5.92 फीसदी की तेजी आई। मोदी सरकार ने कहा था कि बासमती चावल पर 950 डॉलर प्रति टन न्यूनतम निर्यात मूल्य हटा दिया गया है। केंद्रीय वाणिज्य एवं उद्योग मंत्री पीयूष गोयल ने कहा कि इस कदम से निर्यात को बढ़ावा मिलेगा और किसानों की आय बढ़ाने में मदद मिलेगी।

नियमों का पालन नहीं करने वाले बैंकों पर बड़ी कार्रवाई की तैयारी

नई ?दिल्ली (ईएमएस)। केंद्र सरकार बैंकों के लिए जुर्माना बढ़ाने के बारे में विचार कर सकती है, यदि वे नियामकीय दिशानिर्देशों का पालन नहीं करते हैं। एक वरिष्ठ सरकारी अधिकारी ने जानकारी दी कि सरकार इस सिलसिले में नियामक प्रणाली की समीक्षा कर सकती है, जिसके लिए बैंकिंग विनियमन (बीआर) अधिनियम 1949 और भारतीय रिजर्व बैंक (आरबीआई) अधिनियम 1934 में संशोधन किया जा सकता है। अधिकारी ने नाम न छापने की शर्त पर कहा ?कि वर्तमान में जुर्माना राशि बहुत कम है। हम इस पर नियामक के साथ चर्चा करेंगे और प्रावधानों में संशोधन की संभावनाओं पर विचार करेंगे। मौजूदा व्यवस्था में रिजर्व बैंक बीआर अधिनियम की धारा 46 और 47 ए समेत अन्य प्रावधानों के तहत जुर्माना लगा सकता है, जो नियामकीय दिशानिर्देशों के उल्लंघन पर लगाया जाता है।

जांच रिपोर्ट में खुलासाः जहर से नहीं हुई माफिया मुख्तार अंसारी की मौत

बांदा(ईएमएस)। कई सालों तक जेल में रहे माफिया मुख्तार अंसारी की मौत को लेकर परिजनों ने आरोप लगाए थे कि अंसारी को जहर देकर मारा गया है।स्वजन ने खाने में जहर मिलाकर खिलाने से मौत होने का आरोप लगाया था। बैरक में मिले गुड़, चना और नमक में जहर नहीं पाया गया है। सच्चाई जानने के लिए राज्य सरकार ने मजिस्ट्रियल जांच के आदेश दिए। अब जांच रिपोर्ट में स्पष्ट हो गया है कि मुख्तार अंसारी की मौत जहर से नहीं बल्कि हार्ट अटैक से हुई है।

डीएम ने जांच रिपोर्ट शासन को भेज दी है। मंडल कारागार की तन्हाई बैरक में बंद माफिया मुख्तार अंसारी 28 मार्च की शाम चक्कर खाकर गिर गया था। रानी दुर्गावती मेडिकल कालेज ले जाते समय उसकी मौत हो गई थी। बेटे उमर अंसारी ने जेल प्रशासन पर जहर खिलाकर मारने का आरोप लगाया था। दूसरे दिन 29 मार्च को एसजीपीजीआइ लखनऊ से आए डॉ. सत्येंद्र कुमार तिवारी सहित पांच डाक्टरों के पैनल ने वीडियोग्राफी के बीच पोस्टमार्टम किया था। इसमें हार्ट अटैक से मौत की पुष्टि हुई थी। पंचनामा में मुख्तार के बेटे उमर ने लिखा था कि पिता की मौत स्वाभाविक नहीं है। संदेह जताने पर न्यायिक और मजिस्ट्रियल जांच के निर्देश दिए गए थे।

घटना के 90 दिन पहले तक के सीसी फुटेज भी देखे गए। जिस बेड में माफिया का अस्पताल में शव था। उसकी भी जांच की गई है। इलाज के दौरान जो दवाएं मुख्तार को दी गई थीं, उन सभी की जांच कराई गई है। एडीएम ने बताया कि जहर देने का शक जाहिर करने वालों को बयान देने के लिए बुलाया गया था, लेकिन वे नहीं आए। इसलिए जांच रिपोर्ट तैयार होने में पांच माह से ज्यादा का समय लग गया। मजिस्ट्रियल जांच एडीएम वित्त एवं राजस्व राजेश कुमार कर रहे थे। एडीएम ने 10 दिन पहले रिपोर्ट डीएम नगेंद्र प्रताप को सौंपी। इसमें बताया है कि विधि विज्ञान प्रयोगशाला लखनऊ की रिपोर्ट में भी बैरक में मिले सामान में जहर नहीं मिला है। जांच में मेडिकल कॉलेज के चिकित्सकों समेत मुख्तार की बैरक के सुरक्षा कर्मियों, इलाज और पोस्टमार्टम करने वाले डाक्टरों, जेल अफसरों सहित करीब 100 से अधिक लोगों के बयान दर्ज किए गए।

नास्त्रेदमस की भविष्यवाणियां कर रहीं हैं हैरान

ब्राजीलिया (ईएमएस)। भविष्यवक्ता नास्त्रेदमस की तरह ही आज के दौर में एथोस सलोमी का नाम तेजी से लोकप्रिय हो रहा है। एथोस सलोमी, जिन्हें 'द लिविंग नास्त्रेदमस' के नाम से जाना जाता है, ने कई ऐसी भविष्यवाणियां की हैं जो समय के साथ सच साबित हो चुकी हैं। उनकी सटीक भविष्यवाणियों और दावों ने उन्हें दुनिया भर में एक प्रसिद्ध भविष्यवक्ता बना दिया है। ब्राजील निवासी एथोस सलोमी, 37 वर्षीय मनोवैज्ञानिक और एस्ट्रोलॉजर हैं। उनके रहस्यमयी जीवन और भविष्यवाणी की सटीकता के कारण लोग उन्हें एक अद्वितीय भविष्यवक्ता के रूप में देखने लगे हैं। हालांकि, उनके व्यक्तिगत जीवन के बारे में अधिक जानकारी उपलब्ध नहीं है, लेकिन उनकी भविष्यवाणियों ने उन्हें एक खास पहचान दी है।एथोस सलोमी ने आने वाले समय के लिए कई नई भविष्यवाणियां की हैं, जो और भी ज्यादा चौंकाने वाली हैंः जिसमें पहली हैं एलियंस की मुलाकातः एथोस ने दावा किया है कि भविष्य में इंसान एलियंस से मुलाकात कर सकते हैं। दूसरी एस्ट्रॉयड टकरावः उन्होंने चेतावनी दी है कि एक बड़ा एस्ट्रॉयड पृथ्वी से टकरा सकता है, जिससे दुनिया को गंभीर परिणाम भुगतने पड़ सकते हैं। तीसरी एआई से साइबर अटैकः उन्होंने भविष्यवाणी की है कि एआई टेक्नोलॉजी के माध्यम से बड़े साइबर अटैक हो सकते हैं, जो वैश्विक स्तर पर असर डालेंगे। चौथी तृतीय विश्व युद्धः उन्होंने तृतीय विश्व युद्ध की संभावना की ओर भी इशारा किया है, जो भविष्य में हो सकता है। पांचवीं प्राकृतिक आपदाएंः एथोस ने सूखा, बाढ़ और अन्य प्राकृतिक आपदाओं के बढ़ने की संभावना जताई है। एथोस सलोमी का कहना है कि उनका मकसद दुनिया को डराने का नहीं, बल्कि लोगों को भविष्य की चुनौतियों के प्रति जागरूक करने का है।

हम गाजा के लोगों की बुनियादी ज़रूरतें भी पूरी नहीं कर पा रहेः सेग्रिड

तेलअवीव,(ईएमएस)। गाजा में संयुक्त राष्ट्र (यूएन) की एक वरिष्ठ अधिकारी सेग्रिड काग ने कहा कि अंतरराष्ट्रीय समुदाय ने इस क्षेत्र में बेगुनाह लोगों को निराश किया है। सेग्रिड काग गाजा में मानवीय सहायता और पुनर्निर्माण काम की देखरेख कर रही हैं। वह इस क्षेत्र में नौ महीने पहले नियुक्त की गई थीं। उनको मानवीय मदद पहुंचाने की ज़िम्मेदारी दी गई थी।

उन्होंने कहा कि वह संयुक्त राष्ट्र को जो रिपोर्ट सौंपने वाली हैं वह काफ़ी निराश करने वाली है। सेग्रिड काग ने गाजा की मौजूदा स्थितियों को आपदा बताया है। उन्होंने कहा कि हम गाजा के लोगों की बुनियादी ज़रूरतें भी पूरी नहीं कर पा रहे हैं। ऐसे में उनके मन में बेहतरी की उम्मीद और संभावनाएं पैदा करना बहुत दूर की बात है। उन्होंने यह भी कहा कि गाजा काम करने के लिहाज से दुनिया की सबसे असुरक्षित जगहों में से एक है। सेग्रिड के मुताबिक़ हमास-इजराइल के बीच युद्धविराम होने तक इस स्थिति में कोई भी सुधार आना बहुत मुश्किल है।

चीन में आया बेबिनका तूफान, लाखों लोगों को सुरक्षित स्थान पर पहुंचाया

बीजिंग,(ईएमएस)। भारी बारिश के बाद की मार झेल चुके चीन में बेबिनका तूफ़ान ने दस्तक दे दी है। यह तूफान सोमवार को शंघाई के तटीय इलाके से टकराया। मीडिया रिपोर्ट के मुताबिक यह पिछले 75 सालों में शंघाई से टकराने वाला सबसे भीषण तूफ़ान है। इस तूफ़ान से लोगों को बचाने शंघाई में हज़ारों लोगों को सुरक्षित स्थानों पर पहुंचाया गया है।

चीन के मौसम विभाग ने बताया कि बेबिनका तूफ़ान सोमवार सुबह स्थानीय समयनुसार के मुताबिक करीब साढ़े सात बजे शंघाई के तटीय इलाके लिनगैंग से टकराया। सावधानी बरते हुए रविवार की शाम को ही करीब चार लाख से ज़्यादा लोगों को महानगर इलाके से बाहर निकाल लिया गया था। इसके अलावा चोनगामिंग ज़िले से भी नौ हज़ार लोगों सुरक्षित स्थान पर पहुंचाया गया है। चोनगामिंग यांग्से नदी के किनारे पर स्थित द्वीप है जो शंघाई का ही एक हिस्सा है। इस तूफ़ान की वजह से चीन में सैकड़ों हवाई उड़ानों को भी रद्द कर दिया गया है। तूफ़ान के खतरे को देखते हुए कई हाईवे भी बंद कर दिए गए हैं।

पहली बार सेना मुख्यालय पहुंचे यूनुस, जनरल ने किया स्वागत

ढाका,(ईएमएस)। बांग्लादेश अंतरिम सरकार के मुखिया मुहम्मद यूनुस ने पहली बार सेना मुख्यालय का दौरा किया जहां उन्हें राष्ट्रीय सुरक्षा के महत्वपूर्ण मुद्दों के बारे में जानकारी दी गई। सेना मुख्यालय पहुंचने पर सेना प्रमुख जनरल वकार-उज-जमां ने यूनुस का स्वागत किया। यूनुस द्वारा दिए गए निर्देश सामूहिक रूप से भविष्य की कार्य योजना के निर्माण और इन्हें लागू करने के लिए प्रभावी भूमिका निभाने में बहुत मददगार होंगे।

विदेश मामलों के सलाहकार मोहम्मद तौहीद हुसैन, गृह सलाहकार रिटायर लेफ्टिनेंट जनरल जहांगीर आलम चौधरी, रक्षा एवं राष्ट्रीय एकता के मामलों के यूनुस के विशेष सहायक रिटायर लेफ्टिनेंट जनरल अब्दुल हाफिज, कैबिनेट सचिव महबूब हुसैन, नौसेना और वायु सेना के प्रमुख और कई कानून प्रवर्तन और बांग्लादेश की खुफिया एजेंसियों के प्रमुख भी वहां मौजूद थे।

संविधान में संशोधन करने जा रहा उत्तर कोरिया,पडोसी देशों से बढ़ सकता है टकराव!

सोल(ईएमएस)। अपनी सनक के लिए जग जाहिर उत्तर कोरिया का तानाशाह किम जोंग-उन दक्षिण कोरिया को अपना मुख्य दुश्मन मानता है। आए दिन दोनों देशों के बीच टकराव की खबरें भी आती रहीं हैं। इसी बीच उत्तर कोरिया ने कुछ दिन पहले घोषणा कर दी कि वो संविधान में संशोधन करेगा। इसके बाद संविधान संशोधन पर काम शुरु किया गया।किम के आदेशानुसार एकीकरण संबंधी धाराएं हटा दी गईं तथा समुद्री सीमा सहित देश की क्षेत्रीय सीमाओं को नए सिरे से निर्धारित किया गया। इससे दक्षिण कोरिया से टकराव बढ़ने की आशंका जाहिर की जा रही है।

दक्षिण कोरिया के एकीकरण मंत्रालय ने पहले कहा था कि उत्तर कोरिया अपनी अगली एस।पी।ए। बैठक में 1991 में हस्ताक्षरित अंतर-कोरियाई बुनियादी समझौते को रद्द कर सकता है। बता दें कि 1991 के समझौते के तहत अंतर-कोरियाई संबंधों को एक विशेष संबंध के रूप में परिभाषित किया गया था। केसीएनए ने कहा कि देश के समाजवादी संविधान में संशोधन और उसे त्रुटि मुक्त (पूरक) करने के साथ ही उत्तर कोरिया हल्के उद्योग और बाह्य आर्थिक मामलों पर कानूनों पर विचार-विमर्श और उन्हें अपनाने तथा गुणवत्ता नियंत्रण कानून के प्रवर्तन की निगरानी के मुद्दे पर भी चर्चा करेगा।

उत्तर कोरिया अगले महीने एक महत्वपूर्ण संसदीय बैठक आयोजित करेगा। बैठक में मुख्य रूप से देश के संविधान में संशोधन किया जाएगा। यह जानकारी सोमवार को राज्य मीडिया ने दी। इससे पहले उत्तर कोरिया के तानाशाह किम जोंग-उन ने दक्षिण कोरिया को अपना मुख्य दुश्मन बताने के लिए संवैधानिक संशोधन का आह्वान किया था। स्थानीय मीडिया के अनुसार, 14वीं सुप्रीम पीपुल्स असेंबली (एसपीए) का 11वां सत्र 7 अक्टूबर को प्योंगयांग में आयोजित किया जाएगा।

रिपोर्ट के अनुसार, जनवरी में एसपीए की बैठक में उत्तर कोरिया के नेता ने संविधान में संशोधन कर दक्षिण कोरिया को अपना प्रमुख शत्रु बताया था। वहीं, युद्ध की स्थिति में दक्षिण कोरियाई क्षेत्र पर पूर्ण कब्जा करने की प्रतिबद्धता भी दोहराई थी।गौरतलब है कि एसपीए उत्तर कोरिया के संविधान के तहत राज्य सत्ता का सर्वोच्च अंग है, लेकिन वास्तव में यह सत्तारूढ़ वर्कर्स पार्टी के निर्णयों पर केवल मुहर लगाता है। इस बीच, उत्तर कोरिया द्वारा नए एसपीए प्रतिनिधियों को चुनने के लिए शीघ्र ही चुनाव कराने की संभावना है, क्योंकि उसने अगले महीने संसदीय बैठक बुलाने की घोषणा की है।

दिसंबर तक कर सकते हैं अपने आधार कार्ड को मुफ्त अपडेट

मुंबई, (ईएमएस)। आधार कार्ड हर भारतीय के लिए एक महत्वपूर्ण दस्तावेज है। हर काम के लिए आधार कार्ड की जरूरत पड़ती है। आधार कार्ड को मुफ्त अपडेट करने की आखिरी तारीख 14 सितंबर थी। हालाँकि, अब यह समय सीमा बढ़ा दी गई है। आप 14 दिसंबर 2024 तक अपने आधार कार्ड को मुफ्त में अपडेट कर सकते हैं। ऐसे में जो लोग अभी भी आधार कार्ड को अपडेट नहीं करवा पाए है उन आधार कार्ड धारकों को अपडेट करने का समय मिल गया है। सरकार ने आधार कार्ड अपडेट करने की समय सीमा 3 महीने बढ़ा दी है। आप अपने आधार कार्ड को ऑनलाइन अपडेट कर सकते हैं। अगर आपके आधार कार्ड में कोई गलती है या आप जानकारी बदलना चाहते हैं तो इसे मुफ्त में अपडेट किया जा सकता है। यूआईडीएआई के मुताबिक, आधार कार्ड धारकों को अपने दस्तावेज अपडेट करने चाहिए।

- निःशुल्क आधार कार्ड अपडेट

आप आधार कार्ड को ऑनलाइन ही मुफ्त में अपडेट कर सकते हैं। अगर आप आधार केंद्र पर जाकर अपडेट कराते हैं तो आपको शुल्क देना होगा। लेकिन आप घर बैठे ऑनलाइन आधार कार्ड अपडेट कर सकते हैं। आप आधार कार्ड में दस्तावेज़ अपडेट कर सकते हैं। आप अपनी जानकारी, पता, जन्म तिथि, मोबाइल नंबर बदल सकते हैं।

- फ्री आधार कार्ड कैसे अपडेट करें?

आधार कार्ड अपडेट करने के लिए यूआईडीएआई की आधिकारिक वेबसाइट पर जाएं। इसके बाद आधार अपडेट विकल्प पर क्लिक करें। इसके बाद आप जिस जानकारी को अपडेट करना चाहते हैं उस पर क्लिक करें। फिर अपना रजिस्टर्ड मोबाइल नंबर डालें। फिर ओटीपी दर्ज करें। इसके बाद अपडेट डॉक्यूमेंट्स विकल्प पर क्लिक करें। इसके बाद आपको अपने आधार कार्ड की सभी डिटेल्स दिखाई देंगी। सारी जानकारी सत्यापित होने के बाद दस्तावेज अपलोड करने होंगे। इसके बाद आपके आधार कार्ड को अपडेट करने की प्रक्रिया शुरू हो जाएगी। इसके बाद आपको 14 अंकों वाला एक रिक्वेस्ट नंबर दिखाई देगा। आप इस नंबर से अपने आधार कार्ड अपडेट प्रक्रिया को ट्रैक कर सकते हैं।

म्यांमार में बाढ़ से अब तक 113 लोगों की मौत, 64 लापता

यांगून (ईएमएस)। म्यांमार में व्यापक बाढ़ के कारण 113 लोगों की मौत हुई और 64 लापता हैं। म्यांमार की राज्य प्रशासन परिषद की सूचना टीम ने इसकी जानकारी दी है। रिपोर्ट के अनुसार बाढ़ ने ने-पी-ता, काया राज्य, कायिन राज्य, बागो, मैगवे, मांडले इलाकों सहित मोन और शान राज्य तथा अयेयारवाडी क्षेत्र को प्रभावित किया है। रिपोर्ट में कहा गया है कि 14 सितंबर की शाम तक 72,900 से अधिक घर और 78,000 से अधिक परिवार प्रभावित हुए हैं, जिससे देश भर में 320,000 से अधिक लोगों को अस्थायी आश्रय गृह में पनाह लेनी पड़ी।

सूचना टीम ने बताया कि सरकार प्रभावित क्षेत्रों में पुनर्वास और बचाव कार्य चला रही है। इसके साथ ही बाढ़ पीड़ितों को हर संभव सहायता प्रदान करने का प्रयास भी जारी है। रिपोर्ट में कहा गया हैं कि तूफान के बाद आई बाढ़ में 33 लोगों की मौत हो गई और 230,000 से अधिक लोग विस्थापित हो गए। रिपोर्ट में कहा गया है कि ने-पी-ता सहित देश भर में कुल 34 कस्बे बाढ़ से प्रभावित हुए हैं।

इटली में डॉक्टरों पर बढ़ते हमले,अस्पतालों में सेना तैनात

रोम (ईएमएस)। इटली के दक्षिणी हिस्सों में डॉक्टरों और नर्सों पर हो रहे हमलों के बाद सरकार को अस्पतालों में सुरक्षा के लिए सेना तैनात करनी पड़ी है। रिपोर्ट के अनुसार, हाल के महीनों में मरीजों के परिजनों और रिश्तेदारों द्वारा चिकित्सा कर्मियों पर हमले बढ़े हैं। ताजा घटना दक्षिणी कैलाब्रिया के अस्पताल में हुई, जहां 23 वर्षीय एक महिला की मौत के बाद गुस्साए 50 से अधिक लोगों ने डॉक्टरों और नर्सों पर हमला कर दिया। मामला यहीं नहीं रुका, बल्कि पूरे देश में इस तरह की घटनाएं सामने आ रही हैं, खासकर दक्षिणी इटली में इसतरह के मामले ज्यादा सामने आ रहे है। डॉक्टरों और स्वास्थ्य कर्मियों की सुरक्षा के लिए सेना तैनात करने का फैसला तब लिया गया, जब डॉक्टरों के राष्ट्रीय संघ ने सरकार से इस संबंध में कठोर कदम उठाने की मांग की।

इटली में डॉक्टरों पर हमले की घटनाएं तेजी से बढ़ रही हैं। 2023 में डॉक्टरों पर 16,000 से अधिक शारीरिक और मौखिक हमले दर्ज हुए थे। डॉक्टरों और नर्सिंग यूनियनों ने स्टाफ की कमी, लंबे वेटिंग टाइम, और कम वेतन को इन हमलों का मुख्य कारण बताया है। स्वास्थ्य कर्मियों के अनुसार, आपातकालीन विभागों में काम करने वाले डॉक्टरों के लगभग आधे पद खाली हैं, जिससे स्थिति और भी विकट हो गई है।

भारत के 17 शहरों को सोलर सिटी के रूप में विकसित किया जाएगा : पीएम मोदी

गांधीनगर (ईएमएस) गुजरता की राजधानी गांधीनगर के महात्मा मंदिर में चौथे ग्लोबल रिन्यूएबल एनर्जी इन्वेस्टर्स मीट और एक्सपो का उद्घाटन किया और इस कार्यक्रम को इसे ऊर्जा, प्रौद्योगिकी और नीति निर्माण के भविष्य पर चिंतन का उत्सव बताया साथ ही कहा कि एक-दूसरे के अनुभव पर आधारित यह विचार-मंथन वैश्विक मानवता के कल्याण के लिए फायदेमंद होगा। प्रधानमंत्री ने कहा कि देश में 60 साल बाद जनता ने लगातार तीसरी बार किसी सरकार को सत्ता की कमान सौंपी है, जो दिखाता है कि 140 करोड़ नागरिकों को सरकार पर भरोसा है केंद्र सरकार के पिछले 10 वर्षों के सुशासन में देश के युवाओं और महिलाओं की आकांक्षाओं को जो पंख लगे हैं, उससे नई दिशा में उड़ान भरने की प्रेरणा मिलेगी। देश के गरीबों, दलितों, शोषितों, पीड़ितों और वंचितों को उम्मीद है कि उनके सम्मानपूर्ण जीवन की नींव बनेगी। पूरा देश आज दुनिया की तीसरी सबसे बड़ी आर्थिक शक्ति बनने के संकल्प के साथ काम कर रहा है। आज का आयोजन 2047 तक विकसित भारत के निर्माण के दृष्टिकोण की ओर बढ़ने का दृढ़ संकल्प है, जो सरकार के तीसरे कार्यकाल के पहले 100 दिनों में परिलक्षित होता है। जिसमें देश के विकास के लिए महत्वपूर्ण सभी क्षेत्रों और कारकों को प्राथमिकता दी गई है, जो कि सिर्फ एक ट्रेलर है। प्रधानमंत्री ने कहा कि केंद्र सरकार यह सुनिश्चित करने के लिए प्रतिबद्ध है कि देश के हर परिवार को छत मिले और इसके लिए केंद्र सरकार ने 7 करोड़ आवास निर्माण का लक्ष्य रखा है जिनमें से चार करोड़ घर पिछले 10 वर्षों के दौरान बनाए गए हैं और इस तीसरे कार्यकाल में तीन करोड़ और घर बनाने जा रहे हैं केंद्र सरकार के पहले 100 दिनों में 12 नए औद्योगिक शहर, 8 हाई स्पीड रोड कॉरिडोर, 15 से अधिक सेमी हाई स्पीड मेड इन इंडिया वंदे भारत ट्रेनें शुरू की गई हैं। इसके अलावा, हाइपर परफॉर्मेंस बायो-मैन्युफैक्चरिंग को बढ़ावा देने के लिए एक ट्रिलियन रुपये का अनुसंधान कोष निर्धारित किया गया है। साथ ही, हरित ऊर्जा क्षेत्र में अपतटीय पवन योजना के तहत रु. 7,000 करोड़ रुपये खर्च होंगे जबकि 31 हजार मेगावाट जलविद्युत उत्पादन के लिए रु. इस पर 12,000 करोड़ से ज्यादा की लागत आएगी देश की विविधता, क्षमता, पैमाना, क्षमता, प्रदर्शन- इन सभी चीजों को अद्वितीय बताते हुए प्रधानमंत्री ने वैश्विक अनुप्रयोग के लिए भारतीय समाधान का मंत्र देते हुए कहा कि दुनिया इस बात को बहुत अच्छी तरह से समझती है। आज भारत में ग्लोब फिनटेक फेस्ट, ग्लोबल सेमीकंडक्टर समिट, सोलर फेस्टिवल, सिविल एविएशन मीट जैसे वैश्विक आयोजन हो रहे हैं। प्रधानमंत्री ने गर्व से कहा कि गुजरात की ये धरती श्वेत क्रांति, मधु क्रांति के बाद सौर क्रांति की भी प्रणेता बन गई हैं गुजरात ने ही देश में पहली सौर ऊर्जा नीति बनाने और जलवायु परिवर्तन विभाग शुरू करने की पहल की है। यह महात्मा गांधी की भूमि है, जिन्होंने वर्षों पहले न्यूनतम कार्बन फुट प्रिंट के साथ जीने की मिसाल कायम करते हुए पूरी दुनिया का ध्यान पर्यावरण संरक्षण की ओर आकर्षित किया था, जब दुनिया में कोई भी जलवायु परिवर्तन पर चर्चा तक नहीं कर रहा था। ग्रीन फ्यूचर, नेट ज़ीरो ये शब्द भारत के लिए कोई फैंसी शब्द नहीं हैं, बल्कि ये भारत की जरूरत हैं, प्रतिबद्धता हैं। जिससे पता चलता है कि भारत को पूरी मानव जाति की चिंता है और उसने पूरी दुनिया का इंतजार करते हुए कई जिम्मेदार कदम भी उठाए हैं। जिसके माध्यम से अगले सैकड़ों वर्षों की नींव तैयार की जा रही है।

पीएम मोदी ने जोर देकर कहा कि भारत न केवल शीर्ष पर पहुंचने का प्रयास कर रहा है, बल्कि शीर्ष पर बने रहने का भी प्रयास कर रहा है। हम जानते हैं कि हमारे पास तेल और गैस के भंडार नहीं हैं, इसलिए हम सौर, पवन, परमाणु और जल विद्युत पर ध्यान केंद्रित करके एक उज्जवल भविष्य बनाने के लिए प्रतिबद्ध हैं। उन्होंने यह भी कहा कि भारत जी20 शिखर सम्मेलन में पेरिस जलवायु प्रतिबद्धता को निर्धारित समय से नौ साल पहले हासिल करने वाला एकमात्र देश था, एक ऐसी उपलब्धि जो विकसित देश भी नहीं कर सके। प्रधानमंत्री ने आगे कहा कि 2030 तक भारत की नवीकरणीय ऊर्जा क्षमता को 500 गीगावॉट तक बढ़ाने के लिए ग्रीन ट्रांजिशन को एक जन आंदोलन बनाया गया है। सोलर रूफटॉप के लिए पीएम सूर्य घर एक अनूठी योजना है, जो हरित परिवर्तन को पूरा करने का एक महत्वपूर्ण साधन साबित होगी। पीएम सूर्य घर योजना परिवारों के वित्तीय बोझ को कम करेगी और पर्यावरण को संरक्षित करते हुए हर घर को बिजली उत्पादक बनाएगी। इस योजना के तहत अब तक 1.30 करोड़ परिवारों ने पंजीकरण कराया है। जिनमें से लगभग सवा तीन लाख घरों में सोलर रूफटॉप पैनल लगाने का काम पूरा हो चुका है उन्होंने कहा कि एक छोटा परिवार प्रति माह लगभग 250 यूनिट बिजली की खपत करता है जिसके मुकाबले सौर छत स्थापना के साथ परिवार प्रति माह 100 यूनिट बिजली पैदा कर इसे पावर ग्रिड को देकर वार्षिक 25,000 रुपए की बचत कर सकते हैं यह बचत यदि पीपीएफ खाते में 25,000 रुपये जमा किए जाए तो 20 साल बाद यह राशि लगभग 10 से 12 लाख रुपये हो जाएगी, जो एक सामान्य परिवार को बच्चों की शिक्षा और शादी जैसे आयोजनों में मदद करेगी।

प्रधानमंत्री ने कहा कि पीएम सूर्य घर योजना न केवल बिजली पैदा करेगी, बल्कि पर्यावरण की रक्षा और रोजगार सृजन का एक विशेष माध्यम होगी। इस योजना से करीब 20 लाख नौकरियां पैदा होंगी इस योजना के तहत देश के 3 लाख युवाओं को हुनरमंद बनाया जाएगा। साथ ही उत्पादित प्रत्येक 3 किलोवाट बिजली से 50 से 60 टन कार्बन डाइऑक्सा इड का उत्सर्जन कम हो जाएगा। उन्होंने कहा कि इसलिए पीएम सूर्य घर योजना से जुड़ने वाला हर परिवार जलवायु परिवर्तन से निपटने में भी बहुत बड़ा योगदान देगा।

इको फ्रेंडली गणेश उत्सवः वडोदरा पुलिस कमिश्नर समेत अन्य अधिकारियों और बच्चों ने मिलकर लगाए 133 पौधे

अपडेट किया गयाः 16 सितंबर

वडोदरा गणेश उत्सवः वडोदरा शहर पुलिस मुख्यालय में पुलिस लाइन के बच्चों द्वारा पर्यावरण-अनुकूल गणेश उत्सव की स्थापना की गई है। वहां प्रतिदिन विभिन्न कार्यक्रम आयोजित किये जाते हैं। फिर 15 सितंबर को पवित्र वन के वृक्षारोपण की योजना बनाई गई। पुलिस कमिश्नर समेत अधिकारियों और बच्चों ने कुल 133 पौधे लगाए। इको-फ्रेंडली गणेश प्रतिमा को सेवामुक्त करने के बाद इसका उपयोग पवित्र वन में किया जाएगा।

वडोदरा शहर पुलिस आयुक्त नरसिम्हा कोमर की प्रेरणा से लाइन के बच्चों द्वारा वडोदरा शहर पुलिस मुख्यालय में एक इको फ्रेंडली गणेश की स्थापना की गई है। जिसके तहत पुलिस परिवार द्वारा प्रतिदिन विभिन्न कार्यक्रम आयोजित किये जा रहे हैं।

जिसमें सुंदरकांड पाठ, सत्य नारायण की कथा, रास गरबा, भजन कीर्तन के अलावा रक्तदान शिविर मनाया जाता है। 15 सितम्बर को प्रातः पांच बजे से पवित्रवन वृक्षारोपण का आयोजन किया गया। पुलिस आयुक्त नरसिम्हा कुमार ने वृक्षारोपण का उद्घाटन किया और पुलिस अधिकारियों, कर्मचारियों और लाइन बच्चों के साथ मियावाकी पद्धति का उपयोग करके 133 पौधे लगाए गए। इस पवित्रवन में अंतिम दिन इको-फ्रेंडली मिट्टी से बनी गणेश प्रतिमा के विसर्जन के बाद इस मिट्टी को पवित्रवन में छोड़ा जाएगा. इस प्रकार लाइन के बच्चे पेड़ों के संरक्षण से भावनात्मक रूप से जुड़ेंगे और पर्यावरण संरक्षण के लिए अधिक से अधिक प्रेरित होंगे।

विश्वामित्री कंठ में भाजपा पार्षद का निर्माण तोड़ने के लिए अमित चावड़ा ने सीएम को लिखा पत्र

वडोदरा,16 सितंबर

अमित चावड़ा का सीएम को पत्र : भाजपा पार्षद पराक्रमसिंह ने विश्वामित्री नदी के किनारे अपनी जमीन पर किए गए निर्माण को स्वेच्छा से हटा दिया है, जबकि विश्वामित्री बचाओ समिति पूर्व कांग्रेस जिला अध्यक्ष द्वारा प्रतिबंधित क्षेत्र-1 में किए गए निर्माण को हटाने का समर्थन करती है।

विश्वामित्री बचाओ समिति के अधिवक्ता शैलेश अमीन, किशोर शर्मा, संजय वाघेला, सत्री धोबी का कहना है कि वडोदरा में बाढ़ के कारण लोगों को लगातार नुकसान हुआ है, वे आर्थिक नुकसान में नहीं बैठ सकते, वे बहुत दुखी हैं, कोई फायदा उठाकर राजनीति कर रहा है स्थिति का नहीं होना चाहिए कांग्रेस नेता अमित चावड़ा ने किसी के कहने पर विधानसभा कांग्रेस पार्टी के नेता के लेटरपैड का इस्तेमाल करते हुए पराक्रमसिंह जाडेजा के फार्म हाउस को अवैध निर्माण बताकर हटाने के लिए मुख्यमंत्री को पत्र लिखा है, याद रहे कि अमित चावड़ा ने ही टिकट दिया था पिछले निगम में उनके व्यक्तिगत संबंध और यह प्रतिबंधित क्षेत्र है -1 की जमीन पर अवैध निर्माण में बने कार्यालय पर धरना रैली का आयोजन किया गया. क्या अमित चावड़ा अपने एजेंट संबंध द्वारा प्रतिबंधित क्षेत्र-1 की भूमि पर किये गये अवैध निर्माण को 30 दिन में ध्वस्त करने के लिए मुख्यमंत्री को पत्र लिखेंगे....? अमित चावड़ा की मंशा, जिन्होंने मुख्यमंत्री को पत्र लिखकर 30 दिनों के भीतर उक्त संरचनाओं को हटाने की सलाह दी, प्रशंसनीय लगती है।

हम अमित चावड़ा से आग्रह करते हैं कि वे वडोदरा के बाढ़ पीड़ितों की भावनाओं को अपने राजनीतिक आरोपों के उपकरण के रूप में इस्तेमाल करना बंद करें। जब वडोदरा के नागरिक मानव निर्मित बाढ़ की चपेट में थे और अभी भी नुकसान, कठिनाई और पीड़ा का खामियाजा भुगत रहे हैं, शासन के विकल्प की तलाश कर रहे हैं, तो आप केवल राजनीतिक आरोप लगाकर इसे राजनीतिक विकल्प के रूप में स्थापित करने में विफल रहे हैं।

अहमदाबाद में प्रधानमंत्री ने यहां 8000 करोड़ के कई प्रोजेक्ट्स का उद्घाटन और शिलान्यास किया

कहा 100 दिन में 15 लाख करोड़ की परियोजनाएं शुरू

अहमदाबाद(ईएमएस)। गुजरात दौरे के दूसरे दिन प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी अहमदाबाद के जीएमडीसी मैदान में आयोजित भव्य स्वागत समारोह में शामिल हुए। प्रधानमंत्री यहां 8000 करोड़ रुपए के कई प्रोजेक्ट्स का उद्घाटन और शिलान्यास किया। साथ ही 30 मेगावाट के सोलर सिस्टम का भी उद्घाटन किया। उन्होंने कहा कि लोग मोदी का के बारे में भांति-भांति की बातें करते रहे। मैंने भी सोच लिया था कि जितना मजाक उड़ाना है उड़ा लो, मैं एक शब्द भी नहीं बोलूंगा। हर अपमान को सहते हुए मैं देश के लोगों के कल्याण के लिए नीति बनाने और निर्णय लेने में जुटा रहा। मैंने तय किया था कि मुझे देश के कल्याण के जिस रास्ते पर चलना है, मैं उस रास्ते से भटकूंगा नहीं। आज खुशी है कि इन सभी अपमानों को हटाते हुए इन 100 दिनों में हर वर्ग के कल्याण की गारंटी पक्की हो गई है। इन 100 दिनों में 15 लाख करोड़ रुपए से ज्यादा की कई परियोजनाओं का काम शुरू हो गया है। चुनाव के दौरान मैंने 3 करोड़ घर बनाने का गारंटी दी थी। उनका काम भी शुरू हो गया है।

पीएम मोदी ने कहा कि तीसरी बार पीएम पद की शपथ लेने के बाद पहली बार गुजरात आया हूं। आप लोगों ने हर वक्त मुझ पर प्यार लुटाया है। जब बेटा अपने घर आकर आशीर्वाद लेता है तो ऊर्जा कई गुना बढ़ जाती है। उत्साह और जोश और बढ़ जाता है। पीएम ने ये भी कहा कि कई लोगों ने मेरा मजाक उड़ाया, लेकिन मैं सरदार वल्लभभाई पटेल की भूमि में पैदा हुआ बेटा हूं। चुप रहकर देशहित में नीति बनाने में लगा रहा।

लोगों ने तीसरी बार सेवा करने का मौका दिया

प्रधानमंत्री ने कहा कि इतनी बड़ी तादाद मेंआप मुझे आशीर्वाद देने आए, मेरा सौभाग्य है। मुझे आपकी अपेक्षाओं का भी अहसास है। आप चाहते थे कि तीसरी बार शपथ लेने के बाद मैं जल्द से जल्द आपके बीच आऊं। देश की जनता ने एक नया इतिहास रचा है। एक सरकार को लगातार तीसरी बार देश की सेवा करने का अवसर दिया है। अगले 25 वर्षों में हमारे देश को विकसित करना है आज से अहमदाबाद-भुज के बीच नमो भारत रैपिड रेल शुरू हो गई है। इस ट्रेन से मध्यम वर्ग के लोगों को फायदा मिलेगा। नमो भारत रैपिड रेल आने वाले समय में देश के कई शहरों को जोडऩे जा रही है। देश में 15 से ज्यादा रूटों पर नई नमो भारत रैपिड रेल शुरू होने वाली है। आज देश में 125 से ज्यादा वंदे भारत ट्रेनें लोगों की सेवा कर रही हैं। यह भारत का स्वर्णिम काल है। अगले 25 वर्षों में हमें देश को विकसित बनाना है।

पीएम ने अहमदाबाद से गांधीनगर के बीच चलने वाली मेट्रो ट्रेन को हरी झंडी दिखाई। इसके बाद मेट्रो से ही गुजरात इंटरनेशनल फाइनेंस टेक सिटी पहुंचे। यह मेट्रो अहमदाबाद के एपीएमसी से गांधीनगर के सेक्टर-1 तक 33 किमी की दूरी तय करेगी। इस सफर को पूरा करने में मेट्रो 65 मिनट का समय लेगी और किराया भी सिर्फ 35 रुपए होगा। वहीं, टैक्सी में अभी 80 मिनट से ज्यादा का समय लग जाता है और 400 रुपए से भी ज्यादा किराया देना पड़ता है। इसका सबसे ज्यादा फायदा अहमदाबाद से गांधीनगर तक रोजाना आने-जाने वाले कर्मचारियों और स्टूडेंट्स को होगा।

स्लॉटरहाउस विवादःस्टैंडिंग कमेटी के सदस्य कंपनी में जाकर करेंगे अध्ययनःघरावाड़ी के लोगों को अब भी झेलनी पड़ेगी दुर्गंध

वडोदरा,16 सितंबर

खजरावाड़ी हटियाखड स्लॉटर हाउस में अपग्रेडेशन, होल एनिमल श्रेडर और 0श बायोडाइजेस्टर (सीबीजी) की स्थापना का प्रस्ताव कंपनी का दौरा करने के बहाने स्थायी समिति में स्थगित कर दिया गया है, फिर भी स्थायी समिति के सदस्य कंपनी का दौरा नहीं करेंगे और जब तक काम स्वीकृत नहीं हो जाता, तब तक बदबू की बारी है, जिससे विवाद खड़ा हो गया है। घर्रावाड़ी स्लॉटर हाउस को लेकर कांग्रेस नेता चंद्रकांत भट्टू वर्षों से संघर्ष कर रहे हैं, अब लोगों को बदबू से निजात दिलाने के लिए पिछले दो माह से लगातार स्थायी समिति में पेश किए जाने वाले प्रस्ताव के टलने से विवाद खड़ा हो गया है।

इस बारे में मिली जानकारी के मुताबिक, बूचड़खाने में हर दिन 15 बड़े जानवरों का निपटान करना पड़ता है. कई बार मृत मवेशियों की संख्या अधिक होने के कारण पर्याप्त निस्तारण के अभाव में मवेशी खुले में पड़े रहते हैं, जिससे आए दिन बदबू की समस्या उत्पन्न होती है और आसपास रहने वाले लोगों द्वारा इसकी शिकायत भी की जाती है। इस कारण मौजूदा प्लांट की क्षमता बढ़ाने की जरूरत है.

खजरावाड़ी हथियाखाड़ में मृत पशुओं के निपटान के लिए नगर निगम द्वारा संपूर्ण पशु श्रेडर प्लांट स्थापित किया गया है। इस प्लांट की क्षमता फिलहाल 5000 किलोग्राम है. प्रति दिन है. यह पौधा प्रतिदिन 15 बड़े जानवरों का निपटान करता है। यह प्लांट वर्ष 2020 में चालू किया गया है।

वर्तमान में, वडोदरा शहर की सीमा में कई नए गाँव जोड़े गए हैं। इसलिए उस क्षेत्र के साथ-साथ शहर में भी मरने वाले मवेशियों की संख्या में वृद्धि हुई है। कई बार मवेशियों की मौत की संख्या तब भी बढ़ जाती है जब मवेशियों में किसी तरह की बीमारी फैल जाती है. उस समय हथियाखाड़ में बड़ी मात्रा में मृत मवेशी प्राप्त होते हैं और उन्हें खुले में छोड़ दिया जाता है जहां पर्याप्त निपटान नहीं होता है और इसका निपटान धीमा होता है. कई बार इसी वजह से

जब बदबू की समस्या उत्पन्न होती है तो आसपास रहने वाले लोगों के साथ-साथ निर्वाचित विंग के सदस्यों द्वारा भी शिकायत की जाती है। इस कारण मौजूदा प्लांट की क्षमता बढ़ाने की जरूरत है. इससे मरे हुए जानवर बाहर नहीं गिरेंगे, बदबू की समस्या नहीं होगी और पर्यावरण में सुधार होगा। घर्रावाड़ी स्थित हथियाखाड में स्थापित होल एनिमल श्रेडर प्लांट के विस्तार के कार्य के संबंध में गुजरात सरकार द्वारा स्थापित एजेंसी गुजरात इंडस्ट्रियल एंड टेक्निकल कंसल्टेंसी ऑर्गेनाइजेशन लिमिटेड को गुजरात सरकार के इस प्रकार के कार्य का अनुभव रखने वाली एक स्थापित संस्था होने के कारण नियुक्त किया गया है। इस प्लांट के विस्तार पर 14.62 लाख रुपये की लागत आएगी. इस कार्य को करने का वर्तमान महत्व यह है कि संचालन और रखरखाव सहित कार्य का एकाधिकार 10 वर्षों तक है। लेकिन किसी भी तरह का कोई भुगतान नहीं किया जाएगा, सिर्फ बिजली बिल से मुआवजा दिया जाएगा.

भारत ने अपने रिन्यूएबल एनर्जी क्षेत्र के विस्तार में उल्लेखनीय प्रगति की : केन्द्रीय मंत्री

गांधीनगर (ईएमएस) केन्द्रीय नवीन एवं नवीकरणीय ऊर्जा मंत्री प्रल्हाद जोशी ने कहा कि प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने रिन्यूएबल एनर्जी के उनके विजन को वैश्विक स्तर पर विस्तृत कर टिकाऊ विकास का संकल्प व्यक्त किया है। प्रधानमंत्री के नेतृत्व में भारत ने अपने रिन्यूएबल एनर्जी क्षेत्र के विस्तार में उल्लेखनीय प्रगति की है। ग्रिड-कनेक्टेड सोलर पावर प्लांट्स के लिए टैरिफ में 76 प्रतिशत की कमी हुई है। साथ ही साथ, हमारी स्थापित रिन्यूएबल एनर्जी क्षमता वर्ष 2014 में 75.52 गीगावाट से बढ़ कर आज 207.7 गीगावट से अधिक हो गई है, जो 10 वर्षों में 175 प्रतिशत की वृद्धि दर्शाती है।

प्रहलाद जोशी ने जोड़ा कि इस समयावधि के दौरान भारत में कुल रिन्यूएबल एनर्जी जनरेशन में 96 प्रतिशत की वृद्धि हुई है। यानी रिन्यूएबल एनर्जी जनरेशन 193.50 बिलियन यूनिट से बढ़ कर 360 बिलियन यूनिट हुआ है। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के नेतृत्व में भारत ने इंटरनेशनल सोलर अलायंस की शुरुआत की है और वर्ष 2030 तक रिन्यूएबल एनर्जी के लक्ष्य को वर्ष 2021-22 में ही प्राप्त किया गया है। उन्होंने गौरव की अनुभूति करते हुए कहा कि वर्ष 2030 तक 500 गीगावट के रिन्यूएबल एनर्जी के लक्ष्य को राज्यों, केन्द्र शासित प्रदेशों, विकासकर्ताओं, उत्पादकों और वित्तीय संस्थानों की ओर से व्यापक प्रोत्साहन मिला है। वर्ष 2030 तक विभिन्न उत्पादकों द्वारा 570 गीगावाट रिन्यूएबल एनर्जी के उत्पादन का आयोजन है। उन्होंने जोड़ा कि उत्पादकों ने सोलर मॉड्यूल में 340 गीगावाट, सोलर सेल में 240 गीगावट, विंड टर्बाइन में 22 गीगावट तथा इलेक्ट्रोलाइजर्स में 10 गीगावाट की अतिरिक्त क्षमता की प्रतिबद्धता व्यक्त की है और वित्तीय संस्थान 386 बिलियन डॉलर यानी 32.45 लाख करोड़ रुपए का निवेश करेंगे, जिसके माध्यम से नए भारत के निर्माण में विकसित भारत2047 के विजन की नींव डाली जाएगी।

अब मात्र 35 रुपए में पहुंचे अहमदाबाद से गांधीनगर, ट्रैफिक के झंझट से मिलेगी मुक्ति

अहमदाबाद (ईएमएस) अब आप अहमदाबाद से गांधीनगर जाने के लिए मेट्रो का इस्तेमाल कर सकते हैं और वह भी किफायती दर पर खासकर इन दोनों शहरों के बीच अप-डाउन करने वालों के लिए यह ट्रेन वरदान साबित होगी। मेट्रो फेज-2 नरेंद्र मोदी स्टेडियम से गांधीनगर सेक्टर-1 तक जुड़ेगी प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने आज मेट्रो रेल रूट के दूसरे चरण का उद्घाटन किया मेट्रो फेज-2 का एक कॉरिडोर गिफ्ट सिटी, गांधीनगर और अहमदाबाद को जोड़ेगी अहमदाबाद के वासणा स्थित एपीएमसी से गांधीनगर सेक्टर 1 तक मेट्रो यात्रा 65 मिनट में 33.5 किमी की दूरी तय करेगी और इसकी टिकट का किराया सिर्फ 35 रुपये होगा। यह मेट्रो यात्रा नागरिकों के लिए सुविधाजनक होगी और समय और खर्च बचाएगी। यह मार्ग अहमदाबाद और गांधीनगर के महत्वपूर्ण स्थानों जैसे जीएनएलयू, पीडीईयू, गिफ्ट सिटी, रायसन, रैंडेसन, ढोलकुन्या सर्कल, इन्फोसिटी और सेक्टर 1 क्षेत्र को कवर करेगा। मेट्रो रेलवे के दूसरे चरण के शुरू होने से अहमदाबाद और गांधीनगर के बीच कनेक्टिविटी मजबूत होगी और नागरिकों की यात्रा तेज, सुरक्षित और किफायती होगी। यह चरण मोटेरा से गांधीनगर तक मेट्रो कनेक्टिविटी प्रदान करेगा, चरण का एक गलियारा गिफ्ट सिटी तक जाएगा। इससे कर्मचारियों औरपर्यटकों तक अधिक पहुंच के साथ स्थानीय अर्थव्यवस्था को भी बढ़ावा मिलेगा। यह चरण 21 किमी का है जिसमें शुरुआत में गांधीनगर के आठ स्टेशनों पर मेट्रो चलेगी। आने वाले समय में मेट्रो सचिवालय, अक्षरधाम, पुराना सचिवालय, सेक्टर 16, सेक्टर 24 और महात्मा मंदिर तक जाएगी। वासणा एपीएमसी से गांधीनगर सेक्टर-1तक 33.5किलोमीटर की मेट्रो यात्रा में सिर्फ 65 मिनट लगते हैं और लागत सिर्फ 35 रुपये है। इसकी तुलना में, टैक्सी से यात्रा में लगभग 80 मिनट लगते हैं जिसकी लागत 415 रुपये से अधिक है।

अहमदाबाद-गांधीनगर के बीच मेट्रो चलने से राज्य के विकास को और गति मिलेगीः मुख्यमंत्री

अहमदाबाद (ईएमएस) मुख्यमंत्री भूपेंद्र पटेल ने कहा कि प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने सेवा, सुशासन तथा गरीब कल्याण के ध्येय के साथ विकास की गति को तेज रखा है और इसी कारण देश की जनता ने तीसरी टर्म में भी उनके नेतृत्व को समर्थन दिया है। मुख्यमंत्री भूपेन्द्र पटेल अहमदाबाद के जीएमडीसी ग्राउंड में प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी की उपस्थिति में आयोजित विकसित भारत-विकसित गुजरात समारोह को संबोधित कर रहे थे भूपेन्द्र पटेल ने कहा प्रधानमंत्री ने राष्ट्र निर्माण का संकल्प बनाए रखते हुए आज गुजरात को 8000 करोड़ रुपए से अधिक के विकास लाभ दिए हैं। उनकी दीर्घदृष्टि का लाभ हम सभी को लगातार ढाई दशकों से मिल रहा है, जिसमें आज एक और कड़ी जुड़ी है। भूपेन्द्र पटेल ने आगे कहा कि प्रधानमंत्री के नेतृत्व में विश्व की सबसे बड़ी अफोर्डेबल हाउसिंग योजना देश में कार्यरत की गई है, जिसके चलते देश के मध्यम-गरीब वर्ग के 4 करोड़ परिवारों को प्रधानमंत्री आवास योजना में अपना घर मिला है तथा प्रधानमंत्री ने और 3 करोड़ घर बनाने का लक्ष्य रखा है। इसी श्रृंखला में गुजरात में आज आवास, ऊर्जा, आवागमन तथा अर्बन डेवलपमेंट क्षेत्रों के विभिन्न विकास प्रोजेक्टों का लोकार्पण-शिलान्यास किया गया है। इसके चलते राज्य में आज 50 हजार से अधिक शहरी व ग्रामीण परिवारों को प्रधानमंत्री आवास योजना के आवासों की भेंट मिलने वाली है। इसके साथ ही, राज्य में 9 लाख से अधिक शहरी तथा साढ़े पाँच लाख से अधिक ग्रामीण परिवारों को प्रधानमंत्री आवास योजना अंतर्गत अपना घर मिला है। इस दृष्टि से प्रधानमंत्री आवास योजना के क्रियान्वयन में गुजरात देश का अग्रसर राज्य है। प्रधानमंत्री के नेतृत्व में ऊर्जा क्षेत्र में गुजरात के आत्मनिर्भर बनने की दिशा में आगे बढ़ने का उल्लेख करते हुए मुख्यमंत्री ने बताया कि सोलर रूफटॉप इंस्टालेशन और रिन्यूएबल एनर्जी प्रोडक्शन के मामले में गुजरात देश के शीर्ष राज्यों में से एक है। पीएम सूर्य घर मुफ्त बिजली योजना का लाभ गुजरात को मिला है। इतना ही नहीं, नरेन्द्र मोदी के दिशादर्शन में राज्य के शहर स्मार्ट, ग्रीन तथा क्लीन बनने की ओर आगे बढ़े हैं। गुजरात का अर्बन डेवलपमेंट तथा अर्बन ट्रांसफॉर्मेशन प्रधानमंत्री के डेवलपमेंट विजन का ही प्रतिफल है। मुख्यमंत्री ने राज्य में मॉडर्न अर्बन इन्फ्रास्ट्रक्चर का उल्लेख करके कहा कि गुजरात में सड़क, बिजली व जल आपूर्ति तथा सीवेज जैसी बुनियादी सुविधाएँ ठेठ सुदूरवर्ती क्षेत्रों तक पहुँची है, तो दूसरी ओर राज्य के बड़े शहरों में उत्तम सुविधाओं ने लोगों की सुख-सुविधा में वृद्धि की है। राज्य की परिवहन सेवा की रीढ़ बन रही मेट्रो की बुनियाद में प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी की सूझ-बूझ का उल्लेख करते हुए मुख्यमंत्री ने कहा कि गांधीनगर, अहमदाबाद तथा गिफ्ट सिटी; इन तीनों को आपस में जोड़ने वाली मेट्रो ट्रेन के फेज-2 का लोकार्पण कर राज्य सहित देश को एक और उत्तम आवागमन परियोजना की भेंट दी है। राज्य के अहमदाबाद व गांधीनगर तथा फिनटेक सिटी-गिफ्ट सिटी अब मेट्रो की तेज परिवहन सेवा से जुड़ गए हैं। ऐसे में राज्य के विकास को और गति मिलेगी। मुख्यमंत्री भूपेंद्र पटेल ने प्रधानमंत्री द्वारा वंदे भारत ट्रेनों की परंपरा शुरू किए जाने का उल्लेख करते हुए कहा कि देश की पहली नमो भारत रैपिड रेल भुज से अहमदाबाद के बीच आज से शुरू हो रही है। साथ ही साथ, देश में और 6 नई वंदे भारत ट्रेनें भी आज से ही शुरू होने वाली हैं। गुजरात की धरती से यह कार्य हो रहा है, जिसका हम सबको गौरव है। भूपेन्द्र पटेल ने आगे कहा कि प्रधानमंत्री के सक्षम नेतृत्व में 'अर्थ अंत्योदय, प्रण अंत्योदय और लक्ष्य अंत्योदय' के संकल्प से गुजरात की विकास यात्रा को और आगे ले जाना है। उन्होंने संकल्पना व्यक्त की कि देश का ग्रोथ इंजन गुजरात विकसित भारत के निर्माण में अग्रिम योगदान देगा। उन्होंने कहा कि हम सभी मिल कर विकसित गुजरात के निर्माण से विकसित भारत का संकल्प साकार करें।

गुजरात कांग्रेस ने पीएम मोदी को जन्म दिन की अग्रिम शुभकामनाएं देते हुए दागे कई सवाल

अहमदाबाद (ईएमएस) प्रधानमंत्री उनके जन्मदिन की पूर्व संध्या पर जब गुजरात में हैं तब गुजरात प्रदेश कांग्रेस कमेटी ने उन्हें जन्मदिन की शुभकामनाएं दी हैं और साथ ही एक जिम्मेदार रचनात्मक विपक्ष के रूप में गुजरात के लोगों की समस्याओं और मेट्रो रेल परियोजना में हुए करोड़ों रुपये के भ्रष्टाचार के बारे में कुछ सवाल पूछते हुए गुजरात प्रदेश कांग्रेस कमेटी के अध्यक्ष शक्तिसिंह गोहिल ने कहा है कि, 2003 में, अहमदाबाद और गांधीनगर के बीच तेज़ यात्रा को सक्षम करने के लिए गुजरात इन्फ्रास्ट्रक्चर डेवलपमेंट बोर्ड द्वारा मेट्रो रेल परियोजना तैयार की गई थी। जून 2005 में, रु. 4296 करोड़ रुपये की परियोजना तैयार कर कांग्रेस के नेतृत्व वाली केंद्र सरकार को दी गई। कांग्रेस के नेतृत्व वाली यूपीए सरकार ने बिना किसी देरी के उसी वर्ष कुछ ही हफ्तों में अहमदाबाद गांधीनगर मेट्रो रेल परियोजना को मंजूरी दे दी। ऐसे में सवाल यह है कि 2005 में स्वीकृत मेट्रो रेल परियोजना 19 साल बाद भी कुछ चुनिंदा चरणों में ही क्यों शुरू हो पाई है? रु. 4296 करोड़ की परियोजना आज कई गुना महंगी होने का जिम्मेदार कौन? गुजरात में मेट्रो रेल परियोजना को मंजूरी मिलने के कई साल बाद, राजस्थान में जयपुर को मेट्रो रेल परियोजना के लिए मंजूरी मिली, लेकिन कांग्रेस के अशोक गहलोत जी की सरकार ने मात्र 3 साल 8 माह में जयपुर में फेज वन ए-मेट्रो चालु कर दी और उसके बाद अन्य कार्य भी निर्धारित समय में पूरे कर दिये। और राजस्थान की मेट्रो रेल परियोजना में किसी भी तरह के भ्रष्टाचार की केग की कोई रिपोर्ट नहीं आई। उसके सामने गुजरात की मेट्रो रेल परियोजना की ख़राब हालत क्यों?

गुजरात सरकार में से इस्तीफा देने वाले और अदानी कंपनी में मुख्य कार्यकारी के पद पर नियुक्त संजय गुप्ता को मेट्रो रेल प्रोजेक्ट का चेयरमैन क्यों बनाया गया? गुजरात सरकार के सक्षम अधिकारियों को दरकिनार कर अडानी कंपनी के मुख्य कार्यकारी रहे संजय गुप्ता को मेट्रो रेल परियोजना का अध्यक्ष बनाने के बाद ऑडिटिंग संस्था केग द्वारा ऑडिट किया गया, जिसमें करोड़ों रुपये के भ्रष्टाचार का खुलासा हुआ। ट्रकों से मिट्टी भरी गई थी ऐसे बिल जहां थे वहां केग ने खुलासा किया कि ट्रकों के जो नंबर थे वह नंबर स्कूटर और रिक्शा के थे और कोई मिट्टी डाली ही नहीं गई थी और करोडों रुपये का भ्रष्टाचार किया गया था। इसके बाद संजय गुप्ता को जेल में डाल दिया गया और बड़ी बहस चल रही है कि संजय गुप्ता को बलि का बकरा बनाया गया था और जेल में किसी तरह उन्हें गंभीर बीमार कर दिया गया था और खराब स्वास्थ्य के कारण जमानत मिलने के बाद उनकी मृत्यु हो गई। इस प्रकार, यदि बलि का बकरा बनाया गया व्यक्ति मर जाता है, तो सच्चाई कभी सामने नहीं आएगी ऐसी साजिश के कारण श्री संजय गुप्ता की मृत्यु हो गई थी? इस संबंध में निष्पक्ष जांच क्यों नहीं की गई? 31 मार्च 2016 को विधानसभा में पेश की गई रिपोर्ट में भी मेट्रो रेल के भ्रष्टाचार का खुलासा केग द्वारा हुआ है। इंद्रोडा और चिलोडा में, डीटेईल प्रोजेक्ट रिपोर्ट मंजूर होने से पहले ही कोन्ट्रेक्ट प्रदान कर दिए गए और 373.62 करोड़ रुपये का भुगतान किया गया। फिर, डीटेईल प्रोजेक्ट रिपोर्ट में मेट्रो रेल का पूरा मार्ग बदल दिया गया और परिणाम स्वरूप, 373.62 करोड़ रुपये पूरी तरह से बर्बाद हो गए ऐसा केग के रिपोर्ट के बताया गया है। इस प्रकार मेट्रो रेल परियोजना में गुजरात की जनता के करोड़ों रूपये भ्रष्टाचार में खर्च किये गये हैं तब माननीय प्रधानमंत्री सी.बी.आई., ई.डी. या फिर नामदार हाईकोर्ट के सिटिंग जज की निगरानी में जांच कराएंगे?

गुजरात में अगले 4 दिन रहेगा बरसाती माहौल, अब तक हो चुकी मौसम की 124 फीसदी बारिश

अहमदाबाद (ईएमएस) गुजरात में अगले चार दिन बरसाती माहौल रहने का मौसम विभाग के पूर्वानुमान हैं राज्य के कई जिलों में हलके से मध्यम बारिश हो संभावना हैं जबकि कच्छ में अगले 7 मौसम सूखा रहेगा बता दें कि गुजरात में 1 जून से अब तक मानसून की 124 प्रतिशत बारिश हो चुकी है, जो 27 प्रतिशत से ज्यादा हैं सौराष्ट्र और कच्छ में 73 प्रतिशत अधिक बारिश हुई हैं राज्य में इस बार पिछले चार साल के रिकॉर्ड तोड़ सीजन की 124.99 फीसदी बारिश हुई हैं कच्छ में सीजन की सबसे ज्यादा 183.32 फीसदी हुई हैं वहीं सौराष्ट्र में अब तक सीजन की 129.74 फीसदी बारिश हो चुकी है। दक्षिण गुजरात में अब तक मानसून सीजन की 129.18 फीसदी बारिश हो चुकी है। मध्य गुजरात में जहां मानसून सीजन की 121.03 फीसदी और उत्तरी गुजरात में अब तक 107.66 फीसदी बारिश हुई हैं गुजरात में अब तक हुई अच्छी बारिश के चलते राज्य के 207 में से 117 जलाशय संपूर्ण रूप से छलक गए हैं जिसमें कच्छ-सौराष्ट्र के 97, दक्षिण और मध्य गुजरात के 18 तथा उत्तर गुजरात के 2 जलाशय शामिल हैं पानी की भरपूर आय के कारण राज्य के 167 जलाशय हाई अलर्ट, अलर्ट और चेतावनी पर हैं जिसमें 90 प्रतिशत से अधिक भरे 146 जलाशय हाई अलर्ट पर हैं 80 से 90 प्रतिशत तक भरे 11 जलाशय अलर्ट पर हैं, जबकि 70 से 80 तक भरे 10 जलाशय प्रतिशत चेतावनी पर हैं।

उद्घाटन से पहले वंदे मेट्रो का बदला नाम, नमो भारत रैपिड रेल से जानी जाएगी

भुज,(ईएमएस)। गुजरात रेलवे ने छोटी और कम दूरी यात्रा न्यूनतम समय में पूरी करने वाली नई वातानुकूलित वंदे मेट्रो ट्रेन का नाम उद्घाटन से कुछ घंटे पहले बदल दिया और इसे 'नमो भारत रैपिड रेल' नाम दे दिया। सोमवार को सरकार ने इस ट्रेन का नाम बदलने की सूचना दी। इसके साथ ही मेरठ से दिल्ली के बीच चलने वाली वंदे भारत ट्रेन को अब 'नमो भारत रैपिड रेल' नाम से जाना जाएगा।

पीएम नरेंद्र मोदी सोमवार को अहमदाबाद में आयोजित एक कार्यक्रम में वीडियो कॉन्फ्रेंसिंग के जरिए इस 'नमो भारत रैपिड रेल' को हरी झंडी दिखाते उससे पहले नाम बदल दिया गया। दो शहरों के बीच यात्रा समय को कम करने वाली इस इंटरसिटी ट्रेन से स्थानीय लोगों के यात्रा अनुभव में क्रांतिकारी बदलाव आएगा।

नमो भारत रैपिड रेल गुजरात में भुज और अहमदाबाद के बीच 359 किलोमीटर तक चलेगी और गांधीधाम, अंजार, भचाऊ, धारंध्रा, सामख्याली, हलवाड़, विरमगाम, चांदलोडिया और साबरमती स्टेशनों से होती हुई चलेगी। इसका किराया भी किफायती रखा है।

अहमदाबाद-भुज-अहमदाबाद 94802/94801 नमो भारत रैपिड रेल का दोनों स्टेशनों के बीच यात्रा का किराया 455 रुपए होगा। गाड़ी 359 किलोमीटर की दूरी पांच घंटे 45 मिनट में तय करेगी। गाड़ी की औसत रफ्तार 62.43 से लेकर 62.49 किलोमीटर प्रतिघंटा होगी। गाड़ी सप्ताह में छह दिन चलेगी। ट्रेन शनिवार को अहमदाबाद से रविवार को भुज से नहीं चलेगी। सेवा के दिनों में यह गाड़ी भुज से सुबह 5 बजकर 5 मिनट पर चलेगी और अहमदाबाद 10.40 पर पहुंचेगी। वापसी में यह ट्रेन अहमदाबाद से 17.30 बजे रवाना होकर 23.10 बजे भुज लौटेगी।

पीएम मोदी के दिशादर्शन में गुजरात रिन्यूएबल एनर्जी सेक्टर में लीडिंग स्टेट : मुख्यमंत्री

गांधीनगर (ईएमएस) मुख्यमंत्री भूपेंद्र पटेल ने गांधीनगर के महात्मा मंदिर में चौथे ग्लोबल रिन्यूएबल एनर्जी इन्वेस्टर्स मीट और एक्सपो का उद्घाटन के अवसर कहा कि प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के दिशादर्शन में गुजरात रिन्यूएबल एनर्जी सेक्टर में लीडिंग स्टेट बना है। भूपेन्द्र पटेल ने जोड़ा कि प्रधानमंत्री ने ग्रीन-क्लीन एनर्जी – हरित ऊर्जा के लिए जो संकल्प किया है, उसे साकार करने में गुजरात अपनी रिन्यूएबल एनर्जी पॉलिसी तथा ग्रीन हाइड्रोजन पॉलिसी के साथ ग्रीन फ्यूचर के लिए प्रतिबद्ध है। उन्होंने कहा कि प्रधानमंत्री ऐसे विजनरी नेता हैं, जो हमेशा समय से आगे की सोचते हैं। इस संदर्भ में उन्होंने जोड़ा कि गुजरात में देश के प्रथम क्लाइमेट चेंज डिपार्टमेंट तथा चारणका सोलर पार्क की शुरुआत नरेन्द्र मोदी के विशिष्ट विजन के परिचायक हैं। मुख्यमंत्री भूपेंद्र पटेल ने कहा कि राज्य में इन्स्टॉल्ड एनर्जी कैपेसिटी में रिन्यूएबल एनर्जी का योगदान 54 प्रतिशत है और सोलर रूफटॉप में गुजरात अग्रसर है। राज्य के 1600 किलोमीटर लंबे समुद्री तट पर 32 से 35 गीगावाट ऑफशोर विंड एनर्जी उत्पादन की संभावनाओं का उल्लेख करते हुए उन्होंने कहा कि विभिन्न इन्फ्रास्ट्रक्चर तथा लॉजिस्टिक सुविधाओं व बिजनेस फ्रेंड्ली पॉलिसीज के साथ गुजरात एनर्जी सेक्टर में इन्वेस्ट के लिए प्रिफर्ड डेस्टिनेशन बना है। मुख्यमंत्री ने आगे कहा कि प्रधानमंत्री के वर्ष 2070 में नेट जीरो तथा वर्ष 2030 में 100 गीगावाट के लक्ष्य की पूर्ति के संकल्प को साकार करने में गुजरात अग्रसर रहने के लिए प्रतिबद्ध है। उन्होंने देश की स्वतंत्रता के शताब्दी वर्ष 2047 तक एनर्जी सेक्टर में आत्मनिर्भरता के लिए एनर्जी को अधिक अफोर्डेबल, एक्सेसेबल एवं स्कैलेबल बनाने के लिए सभी से साथ मिल कर आगे बढ़ने का अनुरोध किया। मुख्यमंत्री भूपेंद्र पटेल ने ग्रीन, सस्टेनेबल तथा क्लीन उज्ज्वल भविष्य के निर्माण के लिए रिन्यूएबल एनर्जी का दायरा बढ़ाने के चिंतन-मंथन की इस समिट की मेजबानी का अवसर गुजरात को देने के लिए प्रधानमंत्री और केन्द्र सरकार का आभार व्यक्त किया।

आईसीआईसीआई प्रूडेंशियल लाइफ इंश्योरेंस कंपनी का एसेट्स अंडर मैनेजमेंट (एयूएम) 3 लाख करोड़ रुपए के पार

2024ः आईसीआईसीआई प्रूडेंशियल लाइफ इंश्योरेंस कंपनी लिमिटेड ने अपने एसेट्स अंडर मैनेजमेंट (एयूएम) के तहत 3 लाख करोड़ रुपए का आँकड़ा पार कर लिया है। 31 जुलाई, 2024 तक कंपनी का एयूएम 3.14 लाख करोड़ रुपए दर्ज किया गया।

श्री अनूप बागची, एमडी और सीईओ, आईसीआईसीआई प्रूडेंशियल लाइफ इंश्योरेंस, ने कहा, ठएसेट्स अंडर मैनेजमेंट (एयूएम) के तहत 3 लाख करोड़ रुपए की उपलब्धि हासिल करना हमारे लिए गर्व का विषय है। यह हमारे उत्पादों के प्रति ग्राहकों की पसंद को दर्शाता है। साथ ही उनके दीर्घकालिक वित्तीय लक्ष्यों को प्राप्त करने में सहायता के रूप में हम पर उनके भरोसे को भी उजागर करता है। हमने अपने उत्पादों और प्रक्रियाओं को सरल बनाकर हमारे एसेट्स अंडर मैनेजमेंट में वृद्धि की है।ठ

मालिक, मुद्रक-प्रकाशक व सम्पादक : लक्ष्मीचन्द जी. अग्रवाल द्वारा ब्रिजाशा ऑफसेट, सरसपुर, अहमदाबाद में मुद्रित करवाकर, स्वेतप्रित बिल्डिंग, खासवाड़ी, बहुचराजी रोड़, वडोदरा से प्रकाशित किया। प्रातःकालीन E-mail: janhitaishi@yahoo.co.in Mob.9375504122 R.N.I. 64278/96